दैनिक
MNN Mission of Truth
मिशन नेशनल न्यूज
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाइट पढ़ें : www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-347 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार, शनिवार , 14 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

पुष्पा फेम अल्लू अर्जुन को मिली जमानत, जेल से बाहर आने का रास्ता साफ

हैदराबाद,

तेलंगाना हाईकोर्ट ने अभिनेता अल्लू अर्जुन को बड़ी राहत देते हुए अंतरिम जमानत दे दी है। यह फैसला फिल्म पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान हुई महिला की मौत के मामले में सुनाया गया है। कोर्ट के इस आदेश के बाद अभिनेता के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया है।

गौरतलब है कि पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इस घटना ने विवाद खड़ा कर दिया, और इसे लेकर अल्लू अर्जुन पर सवाल उठाए गए। आरोप था कि फिल्म की स्क्रीनिंग के दौरान सुरक्षा प्रबंधन में लापरवाही बरती गई, जिसके चलते यह हादसा हुआ। हाईकोर्ट ने इस मामले में अल्लू अर्जुन को फिलहाल अंतरिम जमानत दे दी है। अदालत ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश देते हुए कहा कि जांच पूरी होने तक अभिनेता को राहत दी जा रही है।

राहुल गांधी को गुल्लक देने वाले कारोबारी ने पत्नी के साथ की आत्महत्या

- आठ दिन पहले ईडी ने मारा था छापा

भोपाल

सीहोर जिले के आष्टा के कारोबारी मनोज परमार और उनकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। आज शुक्रवार सुबह घर में ही दोनों का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। 5 दिसंबर को कारोबारी परमार के घर और दफ्तर पर ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) ने छापामार कार्रवाई की थी। इसके बाद से वे परेशान थे। उनके घर से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। परिजनों ने ईडी के छापे को मौत का जिम्मेदार ठहराया है। यह वही परमार हैं, जिन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी को गुल्लक भेंट की थी। परमार की आत्महत्या की सूचना मिलते ही कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस भी मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार, आष्टा के शांतिनगर में रहने वाले कारोबारी मनोज परमार (39) और उनकी पत्नी नेहा परमार (35) के शव शुक्रवार को उनके घर में फांसी के फंदे पर लटकते हुए मिले। जानकारी लगते ही घर और आसपड़ोस में कोहराम मच गया। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। कुछ ही देर में उनके घर के चारों ओर भीड़ जमा हो गई।

पांच दिसंबर को ईडी ने मारा था छापा

बता दें कि 5 दिसंबर को ईडी की टीम ने परमार के इंदौर और सीहोर स्थित चार ठिकानों पर छापा मारा था। यहां से कई चल-अचल और बेनामी संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए थे। साथ ही साढ़े तीन लाख रुपये का बैंक बैलेंस भी फ्रीज कर दिया था। हालांकि, अभी तक यह खुलासा नहीं किया गया है कि कौन-कौन सी चल-अचल संपत्तियों के दस्तावेज जब्त किए गए हैं और उनकी कीमत क्या है?

ये महाकुम्भ बनेगा एकता का महायज्ञ: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्रयागराज में महाकुम्भ से पहले 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं का किया लोकार्पण

महाकुम्भ नगर,

। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को तीर्थराज प्रयागराज में 5500 करोड़ की 167 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर पीएम ने बहुभाषिनी एआई चैटबॉट 'कुम्भ सहायक' का भी शुभारंभ किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि प्रयागराज की पावन धरा पर अगले साल महाकुम्भ का आयोजन देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक पहचान को नए शिखर पर स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि विश्व का इतना बड़ा आयोजन, हर रोज लाखों श्रद्धालुओं के स्वागत और सेवा की तैयारी, लगातार 45 दिनों तक चलने वाला महायज्ञ, एक नया नगर बसाने का महा अभियान, प्रयागराज की इस धरती पर एक नया इतिहास रचा जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वास और श्रद्धा के साथ कहता हूं कि अगर इस महाकुम्भ का वर्णन एक वाक्य में करना हो तो मैं कहूंगा यह एकता का ऐसा महायज्ञ होगा जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में होगी। इससे पूर्व पीएम मोदी ने रिमोट का बटन दबाकर महाकुम्भ से संबंधित परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान, पीएम ने महाकुम्भ 2025 पर आधारित एक लघु फिल्म का भी अवलोकन किया।

यह है हमारा तीर्थराज प्रयाग

पीएम ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारा भारत पवित्र स्थलों और तीर्थों का देश है। यह गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी, नर्मदा जैसी अनगिनत पवित्र नदियों का देश है। इन नदियों के प्रवाह की जो पवित्रता है, इन अनेकानेक तीर्थों का जो महत्व है उनका संगम, उनका समुच्चय, उनका योग, उनका सहयोग, उनका प्रभाव, उनका प्रताप, यह प्रयाग है। यह केवल तीन पवित्र नदियों का ही संगम नहीं है, प्रयाग के बारे में कहा गया है कि माघ मकरगत रवि जब होई, तीरथ पतिहिं आव सब कोई...अर्थात जब सूर्य मकर में प्रवेश करते हैं, सभी दैवीय शक्तियां, सभी तीर्थ, सभी ऋषि, महर्षि, मनीषी प्रयाग में आ जाते हैं। यह वह स्थान है जिसके प्रभाव के बिना पुराण पूरे नहीं होते। प्रयागराज वह स्थान है, जिसकी प्रशंसा वेद की ऋचाओं ने की है। प्रयाग वह है जहां पग-पग पर पवित्र स्थान है, जहां पग पग पर पुण्य क्षेत्र हैं। त्रिवेणीं माघवं सोमं भरद्वाजं च वासुकिम्, वंदेऽक्षयवटं शेषं प्रयागं तीर्थनायकम्...अर्थात त्रिवेणी का त्रिकाल प्रभाव, वेणी माधव की महिमा, सोमेश्वर के आशीर्वाद, ऋषि भारद्वाज की तपोभूमि, नागराज वासुकि का विशेष स्थान, अक्षय वट की अमरता और शेष की अशेष कृपा, यह है हमारा तीर्थराज प्रयाग। तीर्थराज प्रयाग यानी चारी पदारथ भरा भंडारू, पुष्ण प्रदेश देश अतिचारू...अर्थात जहां धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष चारों पदार्थ सुलभ हैं, वह प्रयाग है।

जो व्यक्ति प्रयाग में स्नान करता है, वह हर पाप से मुक्त हो जाता है

पीएम बोले, महाकुम्भ हजारों वर्ष पहले से चली आ रही हमारे देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक यात्रा का पुण्य और जीवंत प्रतीक है। एक ऐसा आयोजन जहां हर बार धर्म, ज्ञान, भक्ति और कला का दिव्य समागम होता है। संगम में स्नान से करोड़ तीर्थ के बराबर पुण्य मिल जाता है। जो व्यक्ति प्रयाग में स्नान करता है, वह हर पाप से मुक्त हो जाता है। राजा महाराजाओं का दौर हो या फिर सैकड़ो वर्षों की गुलामी का कालखंड, आस्था का यह प्रवाह कभी नहीं रुका। इसकी एक बड़ी वजह यह रही है की कुम्भ का कारक कोई बाहरी शक्ति नहीं है, किसी बाहरी व्यवस्था के बजाय कुम्भ मनुष्य के अंतर्मन की चेतना का नाम है। यह चेतना स्वतः जागृत होती है। यही चेतना भारत के कोने-कोने से लोगों को संगम के तट तक खींच लाती है। गांव, कस्बों, शहरों से लोग प्रयागराज की ओर निकल पड़ते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि प्रयागराज केवल एक भौगोलिक भूखंड नहीं है, यह एक आध्यात्मिक अनुभव क्षेत्र है।

महाकुम्भ में खत्म हो जाते हैं जाति और पंथ के भेद

महाकुम्भ के महत्व के बारे में पीएम मोदी ने कहा कि महाकुम्भ जैसी सामूहिकता की शक्ति, समागम शायद ही कहीं और देखने को मिले। यहां आकर संत, महंत, ऋषि, मुनि, ज्ञानी, विद्वान, सामान्य मानवीय सब एक हो जाते हैं। सब एक साथ त्रिवेणी में डुबकी लगाते हैं। यहां जातियों का भेद खत्म हो जाता है, संप्रदायों का टकराव मिट जाता है, करोड़ों लोग एक ध्येय, एक विचार से जुड़ जाते हैं। इस बार भी महाकुम्भ के दौरान यहां अलग-अलग राज्यों से करोड़ों लोग जुटेंगे, उनकी भाषा अलग होगी, जातियां अलग होंगी, मान्यताएं अलग होंगी, लेकिन संगम नगरी में आकर वह सब एक हो जाएंगे। इसीलिए कहता हूं कि यह महाकुम्भ एकता का महायज्ञ है, जिसमें हर तरह के भेदभाव की आहुति दी जाती है। यहां संगम में डुबकी लगाने वाला हर भारतीय एक भारत, श्रेष्ठ भारत की अद्भुत तस्वीर प्रस्तुत करता है।

देश को दिशा दिखाते हैं कुम्भ जैसे आयोजन

पीएम मोदी ने कहा कि महाकुम्भ की परंपरा का सबसे अहम पहलू यह है कि इस दौरान देश को दिशा मिलती है।

कुम्भ के दौरान संतो के वाद में, संवाद में, शास्त्रार्थ में, शास्त्रार्थ के अंदर देश के सामने मौजूद विषयों पर, देश के सामने मौजूद चुनौतियों पर व्यापक चर्चा होती है और फिर संत जन मिलकर राष्ट्र के विचारों को एक नई ऊर्जा देते हैं, नई राह भी दिखाते हैं। संत महात्माओं ने देश से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय कुम्भ जैसे आयोजन स्थल पर ही लिए हैं। जब संचार के आधुनिक माध्यम नहीं थे, तब कुम्भ जैसे आयोजनों ने बड़े सामाजिक परिवर्तन का आधार तैयार किया था। कुम्भ में संत और ज्ञानी लोग मिलकर समाज के सुख-दुख की चर्चा करते हैं, वर्तमान और भविष्य को लेकर चिंतन करते हैं। ऐसे आयोजनों से देश के कोने-कोने में समाज में सकारात्मक संदेश जाता है, राष्ट्र चिंतन की यह धारा निरंतर प्रवाहित होती है।

सीएम धामी निकाय चुनाव की जीत का बना रहे खाका

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

देहरादून। लोकसभा चुनाव के बाद प्रतिष्ठा की सीट केदारनाथ में कमल खिलाने का जो जज्बा मुख्यमंत्री ने दिखाया है उससे उनकी राजनीतिक बुलंदियों को एक नई उडान मिली है और यही कारण है कि मुख्यमंत्री पूरे पांच साल तक आवाम से किये गये एक-एक वायदे को पूरा करने की दिशा में आगे बढ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने जिस शैली के साथ सरकार चलाने का हुनर दिखा रखा है उससे विपक्ष भाजपा के सामने कहीं नजर ही नहीं आ रही और यही कारण है कि भाजपा के दिग्गज नेताओं को यह विश्वास हो रहा है कि निकाय चुनाव में भाजपा का राज्यभर में डंका बजेगा और 2०27 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भी भाजपा का परचम लहरायेगा। मुख्यमंत्री भविष्य की राजनीति को साधने की दिशा में विजन के साथ आगे बढे हुये हैं और उसी के चलते आज उन सभी राजनेताओं की नींद उडी हुई है जो तीन साल से अपने आपको मुख्यमंत्री बनने का खुली आंखों से ख्वाब देखते आ रहे हैं?

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जबसे सत्ता संभाली है उनका पहला विजन है कि आवाम से उन्होंने जो भी वायदे किये हैं उन्हें एक-एक कर वह पूरा करें। मुख्यमंत्री अपने वायदों को पंख लगाने की दिशा में एक नई उडान पर उड रहे हैं और उस उडान को देखकर राज्य की जनता यह समझ चुकी है कि अब उन्हें आने वाले समय में एक नये उत्तराखण्ड के दर्शन होंगे। मुख्यमंत्री ने पहाड से लेकर मैदान तक के हर जिले को विकास की नई उडान पर ले जाने की जो पटकथा लिखनी शुरू की है उसे देखकर भाजपा के काफी राजनेताओं के माथे पर अपनी भविष्य की राजनीति को लेकर चिंता की लकीरें दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री का साफ मानना है कि 2०27 तक वह उत्तराखण्ड का नक्शा ही बदल देंगे और अपने कार्यकाल में आवाम से किये गये हर वायदे को वह शत-प्रतिशत पूरा करेंगे।

उल्लेखनीय है कि उत्तराखण्ड में सत्ता संभालने के बाद से ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चाणक्य नीति से सरकार चलाने के लिए अपने कदम आगे बढाये और सबसे पहले वह राज्य के हर जिले मे आवाम के दिलों मे अपनी एक नई पहचान बनाने के लिए आगे बढ़े जिसके चलते वह चप्पे-चप्पे पर अपनी धमक कायम करते चले गये। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को इस बात का इल्म था कि उन्हें पांच साल तक बस चलते ही जाना है और जहां वह रूकेंगे तो विकास भी रूक जायेगा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तराखण्ड के पहले ऐसे मुख्यमंत्री बन गये हैं जिन्होंने राज्य के हर जिले मे दर्जनों बार अपनी एंट्री की और आवाम से जुडने के लिए उन्होंने सड़कों पर अकेले उतरकर आवाम से अपनी सरकार के फीडबैक को लेकर सीधा संवाद किया। आवाम ने भी अपनी बीच अकसर मुख्यमंत्री को पाकर यह समझ लिया था कि मुख्यमंत्री एक बडी सोच के राजनेता हैं जो अपने अफसरों के बजाए आवाम से सरकार का फीडबैक लेने मे ही विश्वास रखते आ रहे हैं और उसी से उन्हें यह पता चलता रहा कि सिस्टम मे कहां खामियां हैं और कहां बेहतर काम चल रहा है। मुख्यमंत्री ने अपने अब तक के कार्यकाल मे स्वच्छता के साथ सरकार चलाने के लिए कदम आगे बढाये तो उसके चलते वह देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लॉडले और सखा बनकर उत्तराखण्ड को एक नई उडान पर ले जाने की दिशा मे आगे बढते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी ने लोकसभा की पांचो सीट पर जिस तरह से पार्टी प्रत्याशियों को बडी जीत का स्वाद चखाया है उससे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा हाईकमान की पाठशाला मे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सबसे ऊंचे पायदान पर आकर खडे हो गये हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से उत्तराखण्ड को अब तेजी के साथ विकास की नई उडान पर ले जाने के लिए एक संकल्प के साथ आगे बढने का रोड मैप तैयार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी की स्वच्छ राजनीति के चलते वह उत्तराखण्ड की जनता की नजरों मे उनके दुलारे बन चुके हैं जिन्हें वह एक लम्बे दशक तक उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री के रूप मे देखने का आशीर्वाद दे रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की सफलता के राज के पीछे आवाम देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उनको दिया गया गुरूमंत्र मान रहे हैं जिस पर चलते हुए मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड को आदर्श राज्य बनाने के विजन पर आगे बढते हुए आवाम का दिल जीत रहे हैं। मुख्यमंत्री को चंद दिन पूर्व ही दिल्ली से भाजपा नेता बी.एल गौतम ने मुख्यमंत्री द्वारा स्वच्छता के साथ चलाई जा रही सरकार पर उनकी पीठ थपथपाई थी और कहा था कि निकाय चुनाव ने भाजपा मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अपना परचम लहरायेगी। भाजपा के दिग्गज नेताओं ने जिस तरह से स्वच्छ सरकार चलाने पर मुख्यमंत्री की पीठ थपथपाई है उससे साफ हो चुका है कि मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड में बेहतर सरकार चला रहे हैं।

डबल इंजन की सरकार में मिल रहा डबल फायदा: जे.पी. नड्डा

रायपुर,

देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और छत्तीसगढ़ में विष्णु देव साय की नेतृत्व वाली सरकार जनता की सेवा के लिए तत्पर होकर काम कर रही है। इसी का परिणाम है कि पूरे देश और प्रदेश में उत्तरोत्तर विकास हो रहा है। डबल इंजन की सरकार होने की वजह से लोगों को डबल लाभ हो रहा है। आज भारत विश्व की पांचवी बड़ी आर्थिक शक्ति है। अगले पांच सालों में हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभरेंगे। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने आज रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित जनादेश परब कार्यक्रम में लोगों को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने कार्यक्रम में 1124 करोड़ रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। केन्द्रीय मंत्री श्री नड्डा ने जनादेश परब में छत्तीसगढ़ सरकार के एक साल की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार स्वप्रेरणा से लोकहित में पूरी जवाबदेही के साथ काम कर रही है। सरकार बनने के दूसरे ही दिन कैबिनेट की बैठक में प्रदेश के 18 लाख से अधिक जरूरतमंदों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दी गई। मोदी की गारंटी के अनुरूप यहां किसानों से 3100 प्रति क्विंटल में धान खरीदी की जा रही है। किसानों को उनके हक का 3716 करोड़ रूपए धान के बकाया दो साल के बोनस का भुगतान भी किया गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जनादेश परब में घोषणा की कि अब से हर साल 3 दिसंबर से 13 दिसंबर तक ‟जनादेश परब” के रूप में मनाया जाएगा। आने वाले वर्ष में छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं। राज्य निमार्ता भारत रत्न अटलजी का यह शताब्दी वर्ष भी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष को ‟अटल निर्माण वर्ष” के रूप में मनाने की घोषणा की। श्री साय ने कहा कि अटलजी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश में सड़कों का जाल बिछाया। उसी से प्रेरणा लेकर हम अपने रजत जयंती वर्ष में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता में रखेंगे। उसके बाद के तीन वर्षों में भी हम अलग-अलग थीम पर काम करेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जनादेश परब को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले साल किसान भाइयों के खाते में आपकी डबल इंजिन की सरकार ने 49 हजार करोड़ रुपए डाले हैं। हमने अपने शुरूआती तीन महीनों में ही प्राथमिकता के साथ महतारी वंदन योजना का लाभ प्रदेश की माताओं-बहनों को देना आरंभ किया। 70 लाख माताओं-बहनों के खाते में महतारी वंदन योजना की अब तक 10 किश्तों में 6,530 करोड़ रुपए की राशि भेजी जा चुकी है। पहली तारीख को हम यह राशि भेज देते हैं और जैसे ही माताओं-बहनों के खाते में राशि आती है उनका चेहरा गर्व से खिल जाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जो रामराज्य के मूल्य हैं, वहीं हमारे लिए सुशासन के मूल्य हैं। हमने प्रशासन के हर स्तर पर सुशासन को सुनिश्चित किया है।

संपादकीय

सुविधा की निकासी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ ने अपने खाताधारकों को अगले साल से सीधे एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा देने का फैसला किया है। अब तक विभागीय जटिल प्रक्रिया व लालफीताशाही के चलते कर्मचारियों को जरूरत पड़ने पर अपना ही पैसा निकालने के लिये दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ते थे। कुल मिलाकर धन निकासी में विभागीय हस्तक्षेप कम करने का प्रयास किया गया है। निश्चित रूप से श्रम मंत्रालय की यह पहल सामाजिक सुरक्षा को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा बदलावकारी कदम है। यह कदम दक्षता सुधार व कर्मचारियों की अपने पैसे तक पहुंच बढ़ाने के लिये सार्वजनिक सेवा के साथ प्रौद्योगिकी के एकीकरण का अच्छा उदाहरण है। दरअसल, फिलहाल ईपीएफओ की निकासी प्रक्रिया में देरी के कारण खाताधारकों को लंबा इंतजार करना पड़ता है। काफी समय के बाद जरूरतमंदों के खाते तक जरूरी राशि पहुंच पाती है। निश्चय ही पीएफ निकासी कार्ड का उद्देश्य उस लालफीताशाही को दूर करना है, जिसके चलते कर्मचारियों को पैसा समय पर मिल पाएगा। वैसे कुल राशि का पचास फीसदी निकासी सीमा तय करना, वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करने तथा दीर्घकालीन बचत सुरक्षा को बढ़ावा देना वाला कदम ही है। इसके अलावा भी ईपीएफओ अपने व्यापक एजेंडे के साथ आगे बढ़ रहा है, जिसमें योगदान की सीमा बढ़ाना, भविष्य निधि बचत को पेंशन के रूप में परिवर्तित करना भी शामिल है। निश्चित रूप से यह पहल सामाजिक सुरक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को ही उजागर करती है। जिसका मकसद अपने कार्यबल के लिये डिजिटलीकरण को बढ़ाना तथा जीवनयापन को आसान बनाना भी है। यह सुखद ही है कि वर्ष 2017 के बाद ईपीएफओ के सत्तर मिलियन सदस्य बढ़े हैं। उल्लेखनीय है कि इस नई सुविधा के लिये संगठन ने अपने खाताधारकों को एक विशेष पीएफ कार्ड देने का निर्णय लिया है। जो बैंक के एटीएम कार्ड की तरह काम करेगा। बहरहाल, खाताधारक अगले साल जनवरी से अपने कार्ड के जरिये अपने खातों से सीधा पैसा निकाल सकेंगे। निस्संदेह, अब खाताधारकों के लिये पीएफ क्लेम करना और आसान हो जाएगा।

वहीं एटीएम से पैसा निकालने की सुविधा के बाद इसमें मानवीय हस्तक्षेप हो जाएगा। लेकिन एक बार में खाताधारक पीएफ बैलेंस का अधिकतम पचास फीसदी धन ही निकाल पाएंगे। विभाग का कहना है कि आईटी सिस्टम को उन्नत किया जा रहा है ताकि क्लेम प्रक्रिया को आसान व तेज बनाया जा सके। अब खाताधारकों को ईपीएफओ ऑफिस जाने अथवा लंबी प्रक्रिया से गुजरने की जरूरत नहीं होगी। उपभोक्ता चौबीस घंटे, यहां तक कि छुट्टियों में भी पैसा निकाल सकेंगे। जिससे आपातकालीन जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा। हालांकि, फिलहाल भी विशेष परिस्थितियों मसलन घर खरीदने, बच्चों की पढ़ाई, शादी व बीमारी पर एक निश्चित रकम निकालने का प्रावधान है। उसमें भी नौकरी की कार्यावधि तथा धन की निर्धारित रकम तक की सुविधा ही शामिल है। ऐसे ही सेवानिवृत्ति से कुछ समय पहले तक एक बड़ी रकम निकालने की सुविधा भी शामिल है। दरअसल, केंद्र सरकार अपने सामाजिक दायित्व को विस्तार देने के क्रम में कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर काम कर रही है। जिसमें सरकार गिग व प्लेटफॉर्म वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा देने के मकसद से इन कामगारों को चिकित्सा संरक्षण, डिसएबिलिटी सपोर्ट और पीएफ सुविधाएं देना शामिल है। फिलहाल इन्हें परंपरागत कर्मचारी व्यवस्था के लाभ नहीं मिल रहे हैं। इस तरह ईपीएफओ अपने सक्रिय सदस्यों की सुविधाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में बढ़ी है। मकसद यही है कि उन्हें अधिक सुविधाएं दे सके। निश्चित रूप से हमारे श्रम बाजार को औपचारिक बनाने, भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने तथा सामाजिक सुरक्षा के मद्देनजर इस कार्यबल को मेडिकल कवर व वित्तीय सहायता देना न्यायसंगत ही होगा। सरकार की पहल प्रौद्योगिकी संचालित सामाजिक कल्याण ढांचे में बदलाव की ओर संकेत देती है। इससे व्यवस्था परिचालन की विसंगतियों को दूर करते हुए नागरिक केंद्रित सेवाओं में सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का भी पता चलता है। निश्चित रूप से यह कदम कर्मियों के कल्याण के मद्देनजर समानता व सुविधा के साथ सार्वजनिक संस्थानों के प्रति भरोसा बढ़ाने वाला भी है।

(चिंतन-मनन)

दुखः भी सहें

आज स्थिति यह है कि महात्मा बनना तो सब चाहते हैं, पर उनके अनुरूप कार्यो से जी चुराते हैं। बलिदान करने के समय हिचकिचाते हैं, वे महान कैसे बन सकते हैं। बादशाह ने सुना, मेरे राज्य में स्थान-स्थान पर रामायण का पारायण हो रहा है। उसे झुंझलाहट हुई। वह कहने लगा- मेरे शासन में राम के गीत गाए जाएं ऎसा क्यों? उत्तर मिला-यहां हिन्दुओं की संख्या अधिक है। कुछ सोचकर बादशाह बोला, समुद्र में रहते हैं मगरमच्छ से वैर। मेरे राज्य में मेरी रामायण चलेगी। बादशाह ने वाकई में अनेक पण्डितों को बुलाकर अपनी रामायण बनाने का आदेश दे दिया, पंडित असमंजस में पड़ गए। करते भी क्या? आखिर उन्हें एक उपाय सूझा। कई दिन बीतने के बाद वे बादशाह के पास गए।

बादशाह- क्या मेरी रामायण तैयार हो गई?

पंडित- जहांपनाह! रामायण करीब-करीब पूरी होने वाली है पर एक बात अधूरी है उसके बिना रामायण पूरी नहीं होगी।

बादशाह- वह क्या है?

पंडित- रामायण में राम की पत्नी सीता को रावण चुरा कर ले गया था। आपकी कौन-सी बेगम को कौन चुरा कर ले गया!

बादशाह- (प्रोध में आकर) मेरी बेगम को क्यों ले जाए?

पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में बीमारियों का कारगर उपचार ढूंढा जाये शोधों को बढ़ाकर

–डॉ. आर.के. सिन्हा–

सुप्रीम कोर्ट में पिछले दिनों एक याचिका दाखिल कर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में पारंपरिक चिकित्सा पद्धति को शामिल करने की मांग की गई है। यह बिल्कुल ठीक ही है कि ऐसा करने से देश की एक बड़ी आबादी को सस्ती और असरदार स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ आसानी से मिल सकेगा। साथ ही, पारंपरिक चिकित्सा को भी पर्याप्त बढ़ावा मिलेगा और वे पहले की भाँति फिर से लोकप्रिय हो सकेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर केंद्र सरकार से जवाब मांगा है। हालांकि यह मामला ऐसा नहीं है, जिस पर सरकार को फैसला लेने में बहुत दिक्कत हो। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ, जैसे आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी इत्यादि, गरीब जनता के लिए कई मायनों में वरदान रही हैं और सरकारी संरक्षण प्राप्त होने पर और भी लोकप्रिय साबित हो सकती हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों में आमतौर पर आधुनिक चिकित्सा की तुलना में उपचार की लागत काफी ज्यादा कम होती है। यह गरीब लोगों के लिए, जो महंगे अस्पताल और दवाओं का खर्च वहन नहीं कर सकते, उनके लिए बहुत लाभकारी होती हैं। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स पिछले दिनों एक निजी यात्रा पर भारत आए हुए थे। उनके साथ उनकी पत्नी क्वीन कैमिला भी थीं। वे बेंगलुरु के पास एक आधुनिक आरोग्यशाला ह्लहोलिस्टिक हेल्थ सेंटर' में ठहरे। तीन दिन की यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला ने योग, मेडिटेशन सेशन और योग थेरेपी का भरपूर आनंद उठाया। यानी सामान्य रोगियों से लेकर ब्रिटेन के किंग को भी अब समझ में आ गया है कि सेहतमंद रहने और स्मार्ट दिखने के लिए भारत के आधुनिक डॉक्टरों और परम्परागत चिकित्सा पद्धतियों से इलाज करवाना कहीं ज्यादा सही रहेगा। पारंपरिक चिकित्सक अक्सर ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों में भी आसानी से उपलब्ध होते हैं, जहाँ आधुनिक चिकित्सा सुविधाएँ कुछ ही ह्लमल्टी स्पेशलिटी ह्लअस्पतालों तक ही सीमित होती हैं। अतः यह पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियां ग्रामीण गरीबों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं और इनमें गरीब ग्रामीणों का अटूट विश्वास भी है। ज्यादातर पारंपरिक उपचार स्थानीय रूप से उपलब्ध जड़ी-बूटियों और अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर ही आधारित होते हैं, जिसकी लागत कम होती है। एक खास बात यह भी है कि ये पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियाँ अक्सर शरीर और मन दोनों को एक साथ स्वस्थ रखने पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जो आधुनिक चिकित्सा की तुलना में अधिक समग्र दृष्टिकोण है। यह जीवनशैली संबंधी बीमारियों की रोकथाम में अत्यंत कारगर मदद कर सकती हैं। हालांकि कुछ पारंपरिक उपचारों की प्रभावशीलता के लिए पर्याप्त वैज्ञानिक प्रमाणों का अभाव गिना दिया जाता है क्योंकि आधुनिक वैज्ञानिक रूप से स्वीकार्य प्रयोगों पर आधारित साक्ष्य उपलब्ध नहीं हैं। सरकार को चाहिये कि आधुनिक प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक शोध के आधार पर इनके कारगर परिणाम के साक्ष्य उपलब्ध करवाए। इससे रोगियों की सुरक्षा और उपचार की गुणवत्ता वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी सिद्ध और स्थापित हो सकेगी, नहीं तो पारम्परिक सिद्ध चिकित्सा पद्धतियों पर सवाल उठते ही रहेंगे। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों से जुड़े लोगों को और भारत सरकार के आयुष मंत्रालय को इस तरफ ध्यान देने की जरूरत तो है। इनमें गहन शोध तो होना ही चाहिए। यह भी मानना होगा कि पारंपरिक चिकित्सा व्यवसाय का नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण अक्सर अपर्याप्त होता है। सरकार को इस तरफ भी देखना होगा। इनके कुछ चिकित्सक ऐसे दावे करते हैं जिनका कोई वैज्ञानिक आधार नहीं होता है, जिससे रोगियों को भ्रमित किया जा सकता है और उनका स्वास्थ्य जोखिम में पड़ सकता है। अतः आयुष मंत्रालय को वैज्ञानिक अनुसंधान के आधार पर इन दावों की प्रमाणिकता या तो सिद्ध करनी होगी या फिर खारिज करना होगा। खैर, ये पद्धतियाँ जनता के लिए वरदान तो हो ही सकती हैं, खासकर जब वे आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत हों और उचित नियमन और गुणवत्ता नियंत्रण के साथ संचालित हों। हालांकि, इन पद्धतियों की सीमाओं और चुनौतियों को भी स्वीकार करना और उनका समाधान करना महत्वपूर्ण है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि यह उपचार पद्धति भी वैज्ञानिक रूप से प्रमाणिक है। भारत अपनी विविधता और समृद्ध इतिहास के लिए जाना जाता है, जिसमें अनेकों पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ हजारों वर्षों से चली आ रही हैं। आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्धा, होमियोपैथी और अनेक अन्य प्रणालियाँ सदियों से भारतीय समाज के स्वास्थ्य और कल्याण का एक अभिन्न अंग रही हैं। आज, जब आधुनिक चिकित्सा पद्धति तेजी से आगे बढ़ रही है, तब भी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि यह और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। विश्व भर से प्रतिवर्ष हजारों अत्यंत पढ़े- लिखे और समृद्ध लोग आखिर भारत आकर इन चिकित्सा पद्धतियों पर लाखों खर्च क्यों करते हैं। वे सभी पागल तो हैं नहीं। उन्हें निश्चित रूप से लाभ मिल रहा है तभी तो वे यहाँ आकर महीनों रहकर, लाखों खर्चकर स्वस्थ होकर वापस जा रहे हैं। भारत में स्वास्थ्य सेवा का वितरण असमान है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँच सीमित होने के कारण, पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ स्वास्थ्य सेवा की पहुँच को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। ये पद्धतियाँ स्थानीय रूप से उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करती हैं और अक्सर कम खचीर्ली होती हैं, जिससे वे आम लोगों के लिए अधिक सुलभ होती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग अक्सर इन पद्धतियों पर ही निर्भर रहते हैं, क्योंकि ये उनके सांस्कृतिक परिवेश और आर्थिक स्थिति के अनुकूल हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ केवल बीमारियों के इलाज पर ही केंद्रित नहीं हैं, बल्कि रोगों की रोकथाम पर भी जोर देती हैं। आयुर्वेद और योग जैसे पद्धतियाँ जीवनशैली में बदलाव, आहार और व्यायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवन को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं, जिससे कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। ये पद्धतियाँ शरीर और मन के बीच संबंध को समझती हैं और समग्र स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करती हैं। पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियाँ प्रकृति से प्राप्त जड़ी-बूटियों और अन्य प्राकृतिक उपचारों का व्यापक उपयोग करती हैं। ये उपचार अक्सर कम साइड इफेक्ट वाले होते हैं और आधुनिक दवाओं की तुलना में शरीर पर कम हानिकारक प्रभाव डालते हैं। भारत की जैव विविधता ने सदियों से पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को पोषित किया है और इन पद्धतियों को अद्वितीय उपचार विकसित करने का अवसर प्रदान किया है। इन चिकित्सा पद्धतियाँ भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये पद्धतियाँ सदियों से भारतीय समाज के जीवन में अंतर्निहित हैं और लोगों के स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन पद्धतियों को अपनाने से न केवल शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण में भी वृद्धि होती है। आयुर्वेद और योग जैसे पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों ने विश्व स्तर पर लोकप्रियता हासिल की है। इनकी मांग बढ़ने से भारत के लिए आर्थिक अवसर भी पैदा हुए हैं। पारंपरिक चिकित्सा से संबंधित उद्योगों का विकास भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और रोजगार के अवसर पैदा करने में योगदान दे सकता है। हालांकि, इन पद्धतियों को आधुनिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता है। यह महत्वपूर्ण है कि इन पद्धतियों का वैज्ञानिक सत्यापन किया जाए और उनकी प्रभावशीलता को सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, इन पद्धतियों के व्यावसायीकरण को नियंत्रित करने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उचित विनियमन की भी आवश्यकता है। एक बात फिर दोहराना चाहता हूं कि आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, आदि पद्धतियों से जुड़े विद्वानों को अपने अनुसंधान को और गहना करना होगा।

किशोरों में बढ़ती आक्रामकता चिंताजनक

–मनोज कुमार अग्रवाल–

गोरखपुर में भाभा रिसर्च इंस्टीट्यूट के साइंटिस्ट की पत्नी की उनके ही नाबालिग बेटे ने हत्या कर दी। वजह सिर्फ इतनी थी कि मां ने स्कूल जाने के लिए बेटे को जगा दिया था। गुस्से में उसने मां को धक्का दिया। उनका सिर दीवार से टकरा गया। वह गंभीर रूप से जख्मी हो गईं, लेकिन बेटा उन्हें अस्पताल नहीं ले गया, बल्कि मां को छोड़कर स्कूल चला गया। खून बहने से मां की मौत हो गई। 5 दिन तक मां की लाश के साथ रहा। छह दिन तक पत्नी से बात न होने पर साइंटिस्ट घर पहुंचे। दरवाजा खुला था और बदबू आ रही थी। अंदर गए तो देखा पत्नी की लाश फर्श पर पड़ी थी। बेटे ने पिता-पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की। उन्हें बताया कि गिरने की वजह से मां की मौत हुई। मगर जब पोस्टमॉर्टम हुआ तो लाश 6 दिन पुरानी निकली। इसके बाद पुलिस ने नाबालिग से सख्ती से पूछताछ की, तो उसने जुर्म कबूल कर लिया। यह वारदात नाबालिग किशोरों द्वारा पेशेवर अपराधियों की तर्ज पर अपराधिक वारदात करने की बढ़ती मनःस्थिति को उजागर करती है।

आज फिल्म स्क्रीन, ओटीटी प्लेटफार्म तथा सोशल मीडिया पर लगातार दिखाई जाने वाली हिंसक सामग्री का किशोरों और युवाओं के मन पर दुष्प्रभाव पड़ रहा है जिससे उनमें यौन अपराध तथा हिंसा की भावना कुलांचे भर रही है। पिछले एक महीने में किशोर बाल अपचारियों की करतूतों पर नजर डालें तो रूह कांप जाएगी।

12 नवम्बर को छतरपुर (मध्य प्रदेश) में एक युवक ने अपने पिता पूरन रैकवार को पीट-पीट कर मार डाला क्योंकि उसका पिता बचपन में उसे शरारत करने पर पीटा करता था तथा बड़ा होने पर उसकी शादी भी उसकी मनपसंद लड़की से नहीं करवाई जिसका बदला उसने इस प्रकार लिया। 14 नवम्बर को नालंदा (बिहार) के गांव छोटीआट में एक लड़की से छेड़छाड़ करने वाले नाबालिग को गांव के मुखिया कारू तांती द्वारा दंडित किए जाने पर उसने गुस्से में आकर अपने 2 साथियों के साथ मिल कर कारू तांती की हत्या कर दी।

23 नवम्बर को मुम्बई लोकल ट्रेन में सीट को लेकर हुए झगड़े में एक 16 वर्षीय किशोर ने अंकुश भालेराव नामक 35 वर्षीय एक यात्री की चाकू घोंप कर हत्या कर दी। 27 नवम्बर को उत्तर-पूर्वी दिल्ली के 'हर्ष विहार' इलाके में लूटपाट का विरोध करने पर एक व्यक्ति की चाकू से गोद कर हत्या कर देने के आरोप में पुलिस ने एक नाबालिग सहित 5 आरोपियों को पकड़ा। 5 दिसम्बर को दक्षिण दिल्ली में 'अर्जुन तंवर' नामक एक युवक ने अपने माता-पिता तथा बड़ी बहन की हत्या कर दी क्योंकि 'अर्जुन तंवर' हमेशा यह महसूस करता था कि उसके माता-पिता उसकी तुलना में उसकी बड़ी बहन को अधिक तवज्जो दे रहे हैं। 5 दिसम्बर को ही दुर्ग (छत्तीसगढ़) के 'जेवरा' गांव में एक विवाह समारोह में रसगुल्ले को लेकर हुए विवाद के परिणामस्वरूप एक नाबालिग ने चाकुओं से वार करके सागर ठाकुर नामक युवक को मार डाला।

6 दिसम्बर को रायचोटी (आंध्र प्रदेश) में जिला परिषद उर्दू स्कूल में सैय्यद अहमद नामक एक अध्यापक द्वारा 3 छात्रों को कक्षा में शोर मचाने से मना करने पर उन्होंने अध्यापक सैय्यद अहमद पर हमला कर दिया जिससे उसकी मौत हो गई। छह दिसम्बर को ही छतरपुर (मध्य प्रदेश) जिले के धमोरा गांव में सरकारी हायर सेकेंडरी स्कूल की 12वीं कक्षा के नाबालिग छात्र सदम यादव ने अपने एक साथी के साथ मिल कर अपने स्कूल के प्रिंसिपल एस.के. सक्सेना की गोली मार कर हत्या कर दी। प्रिंसिपल ने सदम यादव को मात्र इतना समझाया था कि ₹बेटा सुधर जाओ, बिगड़ो मत।

सात दिसम्बर को कुरुक्षेत्र (हरियाणा) के यारा गांव में पैसों के लेन- देन से तंग आकर शाहाबाद कोर्ट में कार्यरत कर्मचारी दुष्यंत ने अपने माता- पिता और पत्नी की हत्या करने के बाद कोई जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। आरोपी ने अपने 13 वर्ष के बेटे को भी जहर खिला दिया था लेकिन उसे बचा लिया गया। आठ दिसम्बर को नोएडा के मंगरोली गांव में नौवीं कक्षा के एक छात्र द्वारा अपनी भाभी से शादी करने की खातिर अपने भाई की हत्या कर देने का मामला सामने आया। नाबालिग छात्र का कहना है कि उसके अपनी भाभी से अवैध संबंध थे और वह उससे शादी करना चाहता था।

यह तो सिर्फ चंद वारदातों की बानगी है। लगातार ऐसी वारदातों की झड़ी लगी है कहीं जरा सी डांट-फटकार पर किशोर बुजुर्ग दादी दादा का कत्ल करने से नहीं चूक रहे हैं तो कहीं सरेराह गोली चाकू मारकर हत्या कर रहे हैं। कई बार शातिर अपराधियों के गिरोह किशोरों से हत्या लूट जैसी वारदातों को अंजाम दिला रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि किशोर अपचारियों को कुछ समय सुधारगृह में रखकर छोड़ दिया जाएगा। किशोर अपचारियों के लिए बनाए गए कानून ही अब बाल व किशोरों को एक से बढ़कर एक संगीन अपराध करने के लिए गलत प्रेरणा का माध्यम बन गए हैं।

ओटीटी प्लेटफार्म, सोशल मीडिया पर अनियंत्रित हिंसा सेक्स की उलजलूल रील तथा फिल्मों में हिंसा के चित्रण से बाल मनोवेग दूषित हो रहा है। इसके अलावा युवाओं में बढ़ रही इस हिंसक प्रवृत्ति के अन्य प्रमुख कारणों में अभिभावकों की बच्चों के प्रति उदासीनता, धार्मिक व सामाजिक संगठनों की नकारात्मक भूमिका आदि शामिल हैं। आजकल हमारे समाज में बच्चों को नैतिकता, सदाचार और आत्मानुशासन सिखाने के स्थान पर झूठ, कपट और बिना मेहनत किए सुगम रास्ते से अधिकाधिक धन कमाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अतः इस समस्या से बचने के लिए न केवल शिक्षा संस्थानों में नैतिकता के आचरण को पाठ्यक्रम में शामिल कर उसके व्यवहारिक प्रशिक्षण को लागू करने की जरूरत है वहीं धार्मिक सामाजिक संगठनों को भी आगे आना होगा। कर्मकांड और धार्मिक आचरण के साथ साथ मानवीय मूल्यों का महत्व जीवन में आत्मसात करने के लिए मानवता का पाठ पढ़ाने का पर्याप्त इंतजाम करना चाहिए। अभिभावकों को भी शुरू से ही अपने बच्चों के आचरण को परख कर मनोवैज्ञानिक तरीके से उनके आचरण को सुधारने की कोशिश करना चाहिए। बच्चे समाज के कर्णधार है, इनके चाल चरित्र की रक्षा करना सरकार और समाज दोनों की जिम्मेदारी है।

देश में बढ़ती महंगाई का जिम्मेदार कौन?

अंजनी सक्सेना–

हमारे देश में रोजमर्रा के काम आने वाली चीजों के दाम अंतर्राष्ट्रीय बाजार की कीमतों के स्तर पर पहुंच चुके हैं। आम जरूरत की चीजों के दाम कम करने की कोई कोशिश भी दिखाई नहीं दे रही है। आज महंगाई की समस्या विकराल रुप धारण कर चुकी है। इसके भयंकर दूरगामी परिणाम होने की संभावनाएं भी जताई जा रही हैं ऐसे में आज मंहगाई को एक राष्ट्रीय समस्या के रूप में देखा जाना चाहिए। सरकारें महंगाई की समस्या को अपनी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखने की घोषणाएं तो करती हैं, किन्तु उन घोषणाओं के प्रति कोई भी सरकार गंभीर नहीं होती।

जब दाम बढ़ते हैं तो केवल अर्थव्यवस्था ही चौपट नहीं होती, सामाजिक नैतिक मूल्यों में भी ह्रास होता है। वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास की बढ़त अवरूद्ध होती है। देश की साख गिरती है। लोगों में योजना एवं सरकार के प्रति अविश्वास बढ़ता है। सामान्य सुविधाएं भी देश को नहीं मिल पाती, फिर कर्जों का बोझ और उसी अनुपात में अंतर्राष्ट्रीय दबाव भी बढ़ता है। आज तक मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण के तमाम प्रयास कमोवेश असफल साबित हुए हैं। अतीत की बात करें तो कांग्रेस सरकार ने देश को आर्थिक संकट से उबारने का जो सरल रास्ता अपनाया था, वह देश के सामान्य जीवन के लिए कठिन चुनौती बन गया था। तत्कालीन वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की सलाह पर बनाई गई नीतियों से कुछ साधन एवं सत्ता संपन्न लोगों को छोड़कर जनता की आमदनी में कोई वृद्धि नहीं हुई। आज यह समस्या देश की स्थायी समस्या बन गयी। पानी, बिजली, मकान पर लगने वाले कर, कपड़ा एवं यातायात 25 प्रतिशत से 1000 प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। इसी बीच डीजल, पेट्रोल, रसोई-गैस, कोयला व इस्पात सबके भाव बढ़े तो व्यापारियों ने भी मनमानी वृद्धि कर दी। कीमतों की यह बढ़ोत्तरी किसी एक क्षेत्र में नहीं हुई है, बल्कि यह बढ़ोत्तरी करीब-करीब सभी क्षेत्रों में हुई है। सबसे अधिक बढ़ोत्तरी तो आम लोगों की जरूरत वाली चीजों के प्राथमिक क्षेत्र में हुई है। अगर थोक मूल्यों का सूचकांक ही लें, तो सबसे अधिक बढ़ोत्तरी फलों, सब्जियों और अनाजों के दामों में हुई। इनकी कीमतों में भी कई गुना बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। अरहर और उड़द जैसी अधिक खाई जाने वाली दालों के दाम तो हर साल आसमान छूने लगते हैं। जबकि चावल के दामों की भी लगभग यही स्थिति है। कुल मिलाकर भोजन की वस्तुओं के दामों में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की गई है।

खाने की वस्तुओं के दामों में उतार-चढ़ाव होते रहना कोई आश्चर्य की बात नहीं है, मगर अच्छी वर्षा होने के कारण खाने की वस्तुओं के मूल्य में गिरावट आनी चाहिए पर इस देश में ऐसा कभी नहीं हुआ। इस स्थिति को गंभीर बनाने वाली बात यही है कि बाकी सभी क्षेत्रों में भी दाम आज भी बढ़ रहे हैं, जो इस बात का सबूत है कि बाजार दबाव में है। महंगाई अर्थव्यवस्था में पैदा होने वाले नये-नये संकटों की एक सरलीकृत अभिव्यक्ति है, इसलिए महंगाई बढ़ाने की जिम्मेदार शक्ति केन्द्र सरकार है, जो समूची अर्थव्यवस्था का नियंत्रक है। हमारी अर्थव्यवस्था पर किसका नियंत्रण है? आयात-निर्यात नीति कौन तय करता है? उत्पाद कर निर्धारण कहां से होता है? अप्रत्यक्ष करों का जाल कौन बिछाता है? नमक से लेकर आयतित विमान के मूल्य निर्धारण का अधिकार किसके हाथ में है? इन सारे प्रश्नों का एक ही उत्तर है- केन्द्र सरकार। हमारे देश में जो व्यवस्था लागू हैं, उसमें वस्तुओं की चाहे वे देश में उत्पादित हों या विदेश से आयातित कीमत निर्धारित करने और कीमत घटाने बढ़ाने का विशेषाधिकार केंद्र सरकार को ही प्राप्त है, अतः महंगाई बढ़ाने का अपराध भी यही करती है। पूंजीपति, मुनाफाखोर, जमाखोर व बिचौलिया व्यापारी अधिक से अधिक सह-अपराधी की भूमिका निभा सकते हैं। यह भी एक विडम्बना ही है कि जो मूल्य वृद्धि का असली खलनायक है, उसे ही जनता भ्रमवश जब तब त्राता के रूप में देखती है। महंगाई की सुरसा अपना बदन बढ़ाती चली जाती है। सरकार भी जनता को खुशफहमी में डालने के लिए ममतामयी छवि का रूप धारण करती है। महंगाई के विरुद्ध युद्ध का स्वांग भरा जाता है, लेकिन इस युद्ध में सरकार अपनी चतुराई से महंगाई रूपी सुरसा से पार पाने में नहीं, अपितु जनता को मूढ़ साबित करने में सफल हो जाती है। महंगाई की सुरसा ज्यों की त्यों बनी रहती है। जनता इसके बाद दूसरी सरकार को आजमाती है। अब तो स्थिति यह है कि महंगाई चाहे कितनी बढ़ जाये, वह कोई सनसनीखेज मुद्दा नहीं बन पाती। महंगाई की चर्चा शुरू होते ही अर्थ जगत के कुछ मिथकीय चरित्र अपने विशालकाय दानवी रूप में हमारी कल्पना में उभरने लगते हैं। हम अपनी कल्पना की रौ में ही मुनाफाखोर, जमाखोर, पूंजीपति और व्यवस्था को कोसने लगते हैं। ऐसा करते हुए हमें आभास होता है कि हम सामाजिक चेतना से परिपूर्ण हैं। यह ऐसी खुशफहमी हैं, जो हमें महंगाई के कटु यथार्थ को मीठे दर्द की तरह झेल जाने का माद्दा दे जाती है। प्रचलित मिथकों में से एक यह भी है कि महंगाई इजारेदार पूंजीपति व बड़े व्यापारी बढ़ाते हैं। चुनाव में सरमायेदार व व्यापारी राजनीतिक दलों को भारी चन्दा देते हैं और बदले में जिंसों की मनमानी कीमत बढ़ा लेते हैं। एक भ्रम यह भी है कि देश में स्थापित समानांतर अर्थव्यवस्था के कारण महंगाई बढ़ती है। विश्वनाथ प्रताप सिंह ने सत्ता में रहने के दौरान इस भ्रम को खूब पुख्ता किया था। चन्द्रशेखर ने अपने संक्षिप्त प्रधानमंत्रित्व काल में एक अस्थायी मिथक गढ़ने की कोशिश की और महंगाई को खाड़ी युद्ध की देन बताना शुरू किया था। इन सबसे भिन्न कुछ ऐसे लोग हैं, जो बड़े सात्विक भाव से कहते हैं कि महंगाई बढना एक सामान्य विश्वव्यापी समस्या है और हमारे देश को इस पर अलग से चिन्तित होने की जरूरत नहीं है। सीमाहीन झूठ का इससे अच्छा कोई उदाहरण हो ही नहीं सकता, जिसे हमारी अब तक की सरकारें किसी न किसी रूप में प्रकट करती रहीं है। कीमतों की वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था की एक स्थायी समस्या बन चुकी है। यदि महंगाई के अनुपात में ही लोगों की वास्तविक आय बढ़ती रहे तो चिंता की बात नहीं होती, लेकिन ऐसा होता नहीं है। महंगाई का कहर सब पर समान रूप से टूटता है, किन्तु कुछ लोगों की आय तेजी से बढ़ती है और ज्यादातर लोगों की आय स्थिर रहती है या उसमें बहुत मामूली इजाफा होता है। ऐसी स्थिति में इसी पर आश्चर्य होता है कि महंगाई का सवाल हमारी राजनीति के केन्द्र में क्यों नहीं आ पाया है। क्रय शक्ति बढ़ाने के लिये जरूरी है- आय में वृद्धि होना। जो रोजगार, कारोबार में है, वे अपनी आय ज्यादा बढ़ा लेते हैं। वेतनभोगी वर्ग, सांसद, विधायक सभी दबाव डालकर अपने वेतन बढ़वा लेते हैं। किंतु देश में 75 प्रतिशत वेतनभोगी प्राइवेट कर्मचारी व खेतों में काम करने वाले मजदूर भी हैं। अगर आय ज्यादा न बढ़े, लेकिन उत्पादन आबादी के हिसाब से बढ़े तो भी महंगाई नियंत्रित रहती है, किन्तु जब देश की आय का अधिकांश हिस्सा कर्ज अदायगी में जायेगा, आय से अधिक खर्च की सरकारी नीति रहेगी, मुफ्त का धन और राशन बांटने की वोट उगाऊ राजनीति रहेगी, उद्योगों में पश्चिमी देशों का अन्धानुकरण होगा, तो हर हाथ को काम व रोजी-रोटी मिलना भी मुश्किल है। आमतौर से केन्द्र सरकार की आर्थिक ताकत का अंदाजा लोगों को कम ही है। आयात-निर्यात पर जो किसी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ होता है, पूरी तरह केन्द्र सरकार का नियंत्रण है। सारे औद्योगिक उत्पादनों के लागत मूल्यों पर न्यूनतम 100 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक मुनाफे के साथ उनका मूल्य निर्धारित किया जाता है और इन उत्पादनों पर होने वाले कुल लाभ का विभिन्न टैक्सों के माध्यम से 80 प्रतिशत अंश सरकार हड़प लेती है। जनता पर प्रत्यक्ष व परोक्ष कर ज्यादातर केन्द्र सरकार ही लगाती है। इसके बावजूद वह लाचार व निरीह बनकर महंगाई बढने की जिम्मेदारी यहां वहां डालने का प्रयास करें तो कोई क्या कर सकता है? भ्रम की स्थिति उस समय तक बनी रहेगी, जब तक महंगाई की समस्या को राष्ट्रीय मुद्दे के रूप में नहीं देखा जायेगा।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रस्तावित कार्यों का अनुमोदन किया गया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भगवानपुर में मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार की अध्यक्षता में चिकित्सा प्रबंधन समिति, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भगवानपुर (हरिद्वार) की समीक्षा बैठक आहुत की गई, जिसमें डॉ० आलोक तिवारी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, रुड़की (हरिद्वार), डॉ० अभिमन्यु ठाकुर, सचिव चिकित्सा प्रबंधन समिति, श्री आलोक गार्ग्य, खण्ड विकास अधिकारी, भगवानपुर, श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, बाल विकास परियोजना अधिकारी, भगवानपुर, श्रीमती प्रियंका पुरी, फामेर्सी अधिकारी, भगवानपुर श्री मदन मोहन चौहान, खण्ड लेखा प्रबंधक, भगवानपुर व अन्य सदस्यों की उपस्थिति में वित्तीय वर्ष 2024-25 में प्रस्तावित कार्यों का अनुमोदन किया गया। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भगवानपुर का निरीक्षण किया गया, जिसमें पाई गई कमियों को अविलम्ब दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए। साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भगवानपुर को आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाने हेतु प्रशासनिक स्तर से पूर्ण रूप से सहयोग करने हेतु आश्वस्त किया गया। इसके साथ ही चिकित्सालय में भर्ती प्रसूती महिलाओं हेतु प्रसव पश्चात देखभाल कक्ष हेतु रूम हीटर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, भगवानपुर में आ रही समस्याओं एवं कठिनाईयों के निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है।

आठ दिसंम्बर से लापता प्रॉपर्टी डीलर का शव सोनाली नदी से किया बरामद

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

देहरादून, देहरादून के डोईवाला निवासी लापता राम शंकर प्रॉपर्टी डीलर का शव खानपुर थाना क्षेत्र के जोग्गा वाला गांव के पास सोलानी नदी मे दबा हुआ पुलिस ने बरामद किया है डोईवाला निवासी मर्तक राम शंकर लक्सर के खानपुर में प्रॉपर्टी डीलर का काम करता था जो बीती 8 दिसंम्बर से लापता था जिसकी गुमशुदगी परिजनों ने खानपुर थाने में दर्ज कराई थी। वही खानपुर थाना पुलिस ने मर्तक प्रोपर्टी डीलर राम शकंर की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए आज हत्यारो की निशानदेही पर मर्तक प्रोपर्टी डीलर राम शंकर का शव जोग्गावाला गांव के पास सोनाली नदी की ढांग से दबा हुआ बरामद किया। एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने बताया गिरफ्तार किए गए दोनो आरोपी रोबिन और अक्षय खानपुर थाना क्षेत्र के चंद्रपुरी खादर गांव के निवासी हैं जिन्होंने अपने एक अन्य फरार साथी अंकित के साथ मर्तक प्रोपर्टी डीलर रामशंकर से लुट का प्रयास किया था और पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने मर्तक रामशंकर की हत्या की और मर्तक राम शंकर के शव को गड्डा खोदकर रेत में दबा दिया पुरुष टीम में खानपुर थाना प्रभारी रवींद्र शाह उप निरीक्षक बबलू चौहान उपेंद्र सिंह उप निरीक्षक भजराम चौहान.शमीप पांडे उप निरीक्षक उमेश कुमार लोधी प्रभारी चौकी इमली खेड़ा कांस्टेबल अरविंद रावत आदि शामिल रहे

कारिडोर हटाओ हरिद्वार बचाओ हस्ताक्षर अभियान का दूसरा चरण शिवमूर्ति, रेलवे स्टेशन पर चलाया गया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार/ जिला महानगर कांग्रेस कमेटी द्वारा कारिडोर हटाओ हरिद्वार बचाओ हस्ताक्षर अभियान का दूसरा चरण शिवमूर्ति, रेलवे स्टेशन पर चलाया गया। जिसमें व्यापारियों व स्थानीय नागरिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

हस्ताक्षर अभियान को संबोधित करते हुए महानगर कांग्रेस अध्यक्ष अमन गर्ग और वरिष्ठ नेता अरविंद शर्मा ने कहा कि कॉरिडोर योजना से हरिद्वार की पौराणिकता नष्ट हो जाएगी जिसे हरिद्वार का व्यापारी व स्थानीय नागरिक किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष संतोष चौहान और निवर्तमान पार्षद राजीव भार्गव ने कहा कि जब तक सरकार द्वारा कॉरिडोर योजना की अधिकारिक वापसी की घोषणा नहीं की जाती तब तक कांग्रेस जन शांत नहीं बैठेंगे। वरिष्ठ नेता मनोज सैनी और महानगर कांग्रेस महासचिव तरूण व्यास ने कहा कि सरकार व्यापारियों व स्थानीय नागरिकों को गुमराह कर रही है और अगर कॉरिडोर को लेकर स्थिति जल्द स्पष्ट नहीं की गयी तो सरकार को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। यूथ कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष रवि बाबू शर्मा और महालक्ष्मी व्यापार मंडल महामंत्री जतिन सोढ़ी ने कहा कि हरिद्वार की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए हरिद्वार में कॉरिडोर की कोई आवश्यकता नहीं है। ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा और व्यापारी नेता अरूण राघव ने कहा कि भाजपा सरकार स्थानीय नागरिकों व व्यापारियों को उजाड़ना चाहती हैं जिसे कांग्रेस जन व स्थानीय नागरिक कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे। इस

रोबेगालिब करने वाला एक व्यक्ति गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर-उत्तराखंड, लक्सर पुलिस के द्वारा लोगों पर रोबेगालिब करने वाला एक व्यक्ति गिरफ्तार किया है। उससे एक अवैध तमंचा बरामद हुआ है। लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों संदिग्ध व्यक्तियों व असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाए जाने के हेतु, सभी थाना प्रभारीयो को निर्देशित किया गया था। जिसमें पुलिस टीम गठित की गई, गठित पुलिस टीम के द्वारा मुखबिर की सूचना पर 12 दिसंबर 2024 को छापेमारी करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, उसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक अवैध देसी तमंचा 315 बोर बरामद हुआ, पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम धर्मपाल पुत्र स्वर्गीय बालचंद्र निवासी ग्राम भोगपुर थाना कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार बताया हैं। उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में भिक्कमपुर पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह, कांस्टेबल अमित रावत, वीरेंद्र सिंह, शामिल रहे। पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पकड़े गए व्यक्ति को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

मुखबीर की सूचना पर छापेमारी करते हुए 110 किलोग्राम गोमास बरामद किया

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर-उत्तराखंड, लक्सर पुलिस के द्वारा मुखबीर की सूचना पर छापेमारी करते हुए 110 किलोग्राम गोमास बरामद किया है। तस्कर अंधेरें का फायदा उठाकर भाग निकला, लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथान ने बताया कि एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में अपराधिक गतिविधियों में संलीप्त अपराधियों संदिग्ध व्यक्तियों व तस्करों व असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाए जाने के हेतु निर्देशित किया था। जिसमें पुलिस टीम गठित की गई, गठित पुलिस टीम के द्वारा 13 दिसंबर 2024 को रात्रि में लक्सर क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर छापेमारी कार्यवाही करते हुए 110 किलोग्राम गोमांस व उपकरण बरामद कर कब्जे में लिया गया। अज्ञात तस्कर अंधेरें का लाभ उठाकर भाग निकले, उन्होंने बताया कि इस छापेमारी में जो पुलिस टीम शामिल रहें उसमें भिक्कमपुर पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह, कांस्टेबल संदीप रावत, सौदीश कुमार, अरुण कुमार, जितेंद्र नेगी, शामिल रहे। उन्होंने कहा अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। बहुत जल्द गोमांस तस्करो को पड़कर सलाखों के पीछे भेज दिया जाएगा।

श्री श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज की 20वीं पावन पुण्यतिथि बड़े ही धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार भूपतवाला स्थित स्वामी शिवानन्द आश्रम में परम पूज्य गुरुदेव ब्रह्मलीन श्री श्री स्वामी शिवानन्द जी महाराज की 20वीं पावन पुण्यतिथि बड़े ही धूमधाम हर्षोल्लास के साथ मनाई गई इस अवसर पर एक विशाल संत समागम का भी आयोजन किया गया इस अवसर पर बोलते हुए श्री गंगा भक्ति आश्रम के परमाध्यक्ष श्री महंत कमलेशानन्द सरस्वती महाराज ने कहा सतगुरु देव भगवान इस पृथ्वी लोक पर भक्तों के सच्चे पथ दर्शक तथा तारणहार है गुरुदेव हमें भजन पाठ पूजा सत्संग धर्म कर्म के माध्यम से सत्य की डगर पर ले जाते हुए हमारा लोक एवं परलोक दोनों सुधार देते हैं शिवानन्द आश्रम के परमाध्यक्ष श्री महंत स्वामी नरेशानन्द महाराज ने कहा परम पूज्य गुरुदेव सतगुरु देव भगवान स्वामी शिवानन्द जी महाराज इस पृथ्वी लोक पर साक्षात भक्तों के कल्याण दाता थे ज्ञान की एक विशाल गंगा थे उनके श्री मुख से निकलने वाला ज्ञान भक्तों के भाग्य का उदय कर देता था उनका तपोबल आज भी आश्रम तथा उनके भक्तों के बीच उनके दिए गये ज्ञान के रूप में निरंतर प्रकाशमान है इस अवसर पर महंत स्वामी नरेशानन्द महाराज ने अपने सेवा भावी शिष्य श्री स्वामी देवेंद्र को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया इस अवसर पर बोलते हुए श्री महंत विष्णु दास जी महाराज ने कहा गुरु के श्री मुख से निकलने वाले पावन वचन भक्तों के लिए अति कल्याणकारी तथा पथ प्रदर्शित करने वाले होते हैं सतगुरु धर्म-कर्म के माध्यम से हमें उंगली पकड़कर ईश्वर से मिला देते हैं श्री महंत दुगार्दास महाराज ने कहा गुरु हमें ज्ञान प्रदान कर हमारे जीवन को सार्थक करते हैं इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी प्रबोधानन्द महाराज महामंडलेश्वर स्वामी चिद विलासनन्द महाराज महंत नारायण दास पटवारी महंत सूरज दास महाराज महंत प्रहलाद दास महाराज स्वामी कृष्ण देव महाराज महंत कैलसानंद महाराज महामंडलेश्वर स्वामी प्रेमानंद महाराज महामंडलेश्वर स्वामी अनंतानन्द महाराज आचार्य चंद्रभूषण महाराज पंजाबी बाबा महंत बिहारी शरण महाराज स्वामी अंकित शरण महाराज रमेशाननाद महाराज श्याम गिरी महाराज कोतवाल कमल मुनि महाराज सहित भारी संख्या में संत महापुरुष तथा भक्तगण उपस्थित थे सभी ने आयोजित भंडारे में भोजन प्रसाद ग्रहण किया

लक्सर पुलिस के द्वारा 5. 25 ग्राम अवैध स्मेंक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर-उत्तराखंड, लक्सर पुलिस के द्वारा 5. 25 ग्राम अवैध स्मेंक के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 अभियान को सफल बनाने के लिए जनपद के सभी थाना कोतवाली प्रभारीयो को निर्देशित किया गया था, जिसमें एसएसपी हरिद्वार द्वारा, हरिद्वार जनपद को नशा मुक्त करने के लिए अवैध शराब स्मेंक चरस गांजा आदि तस्करों की धर पकड़ के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इस पर उच्च अधिकारियों के आदेशानुसार पुलिस टीम गठित की गई, गठित पुलिस टीम के द्वारा 12 दिसंबर 2024 को एक अवैध नशा तस्कर को गिरफ्तार किया गया, उसके कब्जे से 5. 25 ग्राम अवैध स्मेंक बरामद हुई, पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम संदीप पुत्र जयपाल सिंह निवासी राज विहार कॉलोनी ढंडेरा थाना कोतवाली रुड़की बताया, उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में रायसी पुलिस चौकी प्रभारी कमलकांत रतूड़ी, कांस्टेबल अनिल वर्मा, अनूप पोखरियाल, शामिल रहे। पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित धाराओं मे मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पकड़े गए व्यक्ति को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, गुमशुदा प्रापर्टी डीलर के मामले का खानपुर पुलिस ने खुलासा किया

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर-उत्तराखंड, लक्सर क्षेत्र के खानपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, गुमशुदा प्रापर्टी डीलर के मामले का खानपुर पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने प्रापर्टी डीलर की हत्या के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार करते हुए शव बरामद कर लिया है। जबकि एक अन्य आरोपि फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।जानकारी के मुताबिक 9 दिसम्बर को जनपद देहरादून के कुड़कावाला थाना डोईवाला निवासी रमेश चन्द्र पुत्र स्व. निकसाराम ने खानपुर पुलिस को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया था कि, 08 दिसम्बर को उनके बेटे रामशंकर उम्र लगभग 48 वर्ष जो कि दिन में ग्राम कुड़कावाला डोईवाला देहरादून से अपनी प्रोपर्टी डीलिंग के आफिस निकट पैट्रोल पम्प खानपुर आया था। जो घर नहीं पहुंचा, और उसका फोन भी बंद आ रहा है।प्रापर्टी डीलर की तलाश में जुटी पुलिस ने क्षेत्र में सभी आने जाने वाले रास्तों के सीसीटीवी खंगाले, और संदिग्धों से पूछताछ की। पुलिस ने आज मुखबिर की सूचना पर क्षेत्र के ग्राम चन्द्रपुरी से संदिग्धों रोबिन व अक्षय निवासीगण चन्दपुरी खादर थाना खानपुर को पकड़ा। पूछताछ में गुमशुदा रामशंकर के संबंध में उन्होंने बताया कि 08 दिसम्बर को वह दोनों अपने एक अन्य दोस्त के साथ कम्बलपुर खेतों की तरफ गये थे। जहां उन्हें रामशंकर मिला। रामशंकर को जमीन देखने के बहाने बुलाया और अन्दर खेत में उसका मुहं दबाकर हाथ पैर बांध दिये। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास केवल 400 रुपये मिले। उसके बादं रामशंकर का मोबाईल फोन ले लिया, और उसको डराकर उससे उसके फोन का पासवर्ड और फोन पे का पिन मांगा। इस घटना के बाद वे डर गए, कि कहीं रामशंकर उन्हें जेल ना भिजवा दे। रामशंकर के चिल्लाने पर उसके मुहं पर टेप लगा दिया, जिस कारण से रामशंकर की मौत हो गयी। रोबिन व अक्षय ने बताया कि रामशंकर की मौत के बाद उसके शव को अपनी कार सं. यूपी 12 एएन 8378 से चन्दपुरी घाट के आगे एक कट्टे में डालकर उसके शव को दबा दिया।

कांग्रेस, बीजेपी और अन्य राजनीतिक दलों से कार्यकर्ता अपने अपने वार्डों में सक्रिय

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार/ निकाय चुनाव की सुगबुगाहट धीरे धीरे तेज हो रही है। ऐसे में चुनाव लड़ने वाले भी अपनी दावेदारी पेश करने लग गए। कांग्रेस, बीजेपी और अन्य राजनीतिक दलों से कार्यकर्ता अपने अपने वार्डों में सक्रिय हो गए। मेयर, पार्षद पद के लिए नेता कार्यकर्ता अपनी अपनी गोटी फिट करने में लग गए। इसी क्रम में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष कैश खुराना ने भी मेयर पद के लिए अपनी ताल ठोक दी।

कैश खुराना युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष के साथ साथ पंजाबी समाज से आते हैं।

उन्होंने कहा कि इस बार कांग्रेस पंजाबी समाज से मेयर प्रत्याशी खड़ा करे। निगम क्षेत्र में पंजाबी समाज बहुत अधिक संख्या में है। इसके साथ ही युवा कांग्रेस को इस बार मौका देना चाहिए। राहुल गांधी भी चाहते हैं कि युवाओं की भागीदारी हो और युवा देश, प्रदेश, जिले का नेतृत्व करे। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने युवाओं को बेरोजगारी की तरफ धकेल दिया है। अर्थव्यवस्था पूरी तरह से डगमगा गई है। देश को अब युवा जोश की आवश्यकता है। नगर निगम में युवा मेयर होने से कार्य भी तेजी से होंगे। कांग्रेस आला कमान को भी युवाओं को आगे लाना चाहिए। पहले भी विधानसभा चुनाव में युवा कांग्रेस कार्यकारी जिलाध्यक्ष को टिकट मिला और कांग्रेस को जीत मिली। इस बार मेयर के लिए युवा कांग्रेस से ही प्रत्याशी होना चाहिए। इस संबंध में युवा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष को भी अवगत कराया जा रहा है।

एसपी उत्तरकाशी ने किया मासिक सम्मेलन व अपराध गोष्ठी का आयोजन

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी शुक्रवार को उत्तरकाशी की पुलिस कप्तान सरिता डोबाल द्वारा पुलिस लाईन ज्ञानसू में अधीनस्थ अधिकारी व कर्मचारियों का मासिक सम्मेलन व अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त सम्मेलन में उनके द्वारा सबसे पहले सभी अधिकारी व कर्मचारियों की समस्यायें पूछी गई व समस्याओं के निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

उक्त गोष्ठी के दौरान मीटिंग में उनके द्वारा सभी अधिकारी व कर्मियों को अपनी ड्यूटी व कर्तव्यों का निर्भहन पूर्ण ईमानदारी व समर्पण भाव के साथ करने के निर्देश के साथ ड्यूटी में लापरवाही को अक्षम्य बताया।

बीट में नियुक्त सभी पुलिस कर्मियों को अपने-अपने बीट की महत्वपूर्ण जानकारियां ई-बीट बुक में लगातार मेंटेन करने तथा शिकायत पर नियमानुसार आवश्यक कायार्वाही के साथ सभी को एक बेहतर पुलिसिंग तथा जनता के साथ अच्छा, सौम्य एवं संयमित व्यवहार करने के निर्देश दिये गये।

एसपी उत्तरकाशी ने थाने पर आने वाले शिकायतकताओं एवं आगुन्तको हेतु अलग से रजिस्टर तैयार कर शिकायत कताओं एवं आगुन्तको के विवरण तथा शिकायत को नियमित रुप से मेन्टेन करने के निर्देश दिये व ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही तथा निर्धारित समय के अन्दर निस्तारण के निर्देश दिये गये।

जनपद में प्रचलित शीतकालीन यात्रा के दृष्टिगत यात्रियों की हर संभव मदद, मृदु व्यवहार के साथ सतर्कता के साथ ड्यूटी करने के निर्देश दिए गए।

एसपी सरिता डोबाल ने मासिक अपराधों की समीक्षा करते हुये उनके द्वारा सभी प्रभारियों को लम्बित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना-पत्रों, सम्मन, वारण्ट व अहकामातों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये गये। वित्तीय/साईबर धोखाधडी व महिला अपराधों के प्रति संवेदनशीलता बरतते हुये विवेचना में गुणवत्ता एवं सुधार लाने के निर्देश दिये गये। नशा तस्करों पर अंकुश लगाने हेतु सभी को अवैध नशा करोबारियों के खिलाफ सक्रिय रहकर

जानकारी जुटाते हुये कठोर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये।

नशे के अतिरिक्त साईबर, महिला अपराध तथा अन्य अपराधों की रोकथाम हेतु जरुरी हिदायतें देते हुये नशा साईबर, यातायात नियमों तथा अन्य सामाजिक कुरीतियों के प्रति जनता में जागरुकता बढाने के लिये लगातार जनजागरुकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिये गये। सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु निरीक्षक यातायात व सभी थाना/कोतवाली प्रभारियों को रूटीन वाहन चैकिंग अभियान चलाकर यातायात नियमों विशेषकर ओवरस्पीडिंग, ओवरलोडिंग, ड्रंक एण्ड ड्राईव व खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों के खिलाफ चालानी कार्यवाही बढाने के निर्देश दिये गये। सभी को पुलिस मुख्यालय, देहरादून द्वारा निर्गत निदेशों का कडाई से पालन करने हेतु बताया गया। थाना, कोतवाली, फायर स्टेशन व एसडीआरएफ यूनिट पर आपदा उपकरणों को हमेशा तैयारी हालात में रखने के साथ ही आपदाओं के समय त्वरित रिस्पांस के निर्देश दिये गये।

उक्त मासिक सम्मेलन में एस0पी0 उत्तरकाशी द्वारा गत माह में नशे के विरुद्ध उत्कृष्ट कार्य करने वाले 8 पुलिस अधिकारी व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कानि0 सुनील जयाडा को ह्लमैन ऑफ द मंथह्व घोषित किया गया।

जिसमें प्रभारी निरीक्षक कोतवाली उत्तरकाशी अमरजीत सिंह,थानाध्यक्ष पुरोला मोहन कठैत,उ0नि0 विनोद पंवार कोतवाली उत्तरकाशी,हे0कानि0 रणजीत कुमार कोतवाली उत्तरकाशी,हे0कानि0 बबलू खान एस0ओ0जी यमुनावैली

हे0कानि0 अव्बल सिंह थाना पुरोला,कानि0सुनील जयाडा (एस0ओ0जी0 यमुनावैली)मैन ऑफ द मंथ,कानि0 दीपक चौहान कोतवाली उत्तरकाशी को सम्मानित किया।

मासिक अपराध गोष्ठी में पुलिस उपाधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भणडारी, प्रतिसार निरीक्षक शिव कुमार पंवार, निरीक्षक यातायात राजेन्द्र नाथ, निरीक्षक एल0आई0यू0 दीपक रावत सहित सभी कोतवाली व थाना व ईकाई प्रभारियों व अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा प्रतिभाग किया।

विधायक ममता राकेश ने मानकमजरा गांव में फीता काटकर सड़क का किया उद्घाटन

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

भगवानपुर । शुक्रवार को विधायक ममता राकेश ने क्षेत्र के मानकमजरा गांव में सड़क का कविता काटकर उद्घाटन किया गया । इस दौरान विधायक का ग्रामीणों की ओर से जोरदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर विधायक ममता राकेश ने कहा कि भगवानपुर विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास के प्रति वे संकल्पित हैं। प्रत्येक तबके को विकसित करना ही उनकी प्राथमिकता है। उनकी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले अधिकांश गांवों में सभी जर्जर मार्गों को दुरस्त कराया जा चुका है। जो शेष रह गए हैं, उन पर भी काम चल रहा है। उनका प्रयास है कि सड़क, पानी, बिजली समेत तमाम मूलभूत सुविधाओं का लाभ ग्रामीणों को मिलता रहे। ग्रामीणों ने विधायक को गांव की कुछ समस्याओं से अवगत कराया। कांग्रेस नेता अभिषेक राकेश ने कहा कि हर वर्ग को साथ लेकर विकास कार्य कर रहे हैं। इस दौरान और अब्दुल मलिक प्रधान, भूरा प्रधान, राव राहत, शहजाद, विरेन्द्र, राव राहत,राव वक्कर,मांगता हसन,जुलफान,अशरफ, दिलशाद,नूर आलम,मनव्वर,परवेज अंसारी,इंतसार अंसारी,इंतजार,सोनू अंसारी,सलीम ठेकेदार आदि लोग मौजूद रहे ।

उत्तराखण्ड ऊर्जा संरक्षण दिवस पर आयोजित ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता सम्पन्न

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

लक्सर उपखण्ड शिक्षाधिकारी कार्यालय में ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर आयोजित ब्लाक स्तरीय प्रतियोगिता एवं संगोष्ठी कार्यक्रम में ब्लाक के विभिन्न क्षेत्रों से आए छात्र छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाया।ऊर्जा विकास अभिकरण उरेडा द्वारा आयोजित उक्त कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद उपखण्ड शिक्षाधिकारी लक्सर विनोद कुमार ने कहा कि ऊर्जा का संरक्षण ही मानव का सबसे बड़ा उद्देश्य एवं लक्ष्य होना चाहिए। क्योंकि ऊर्जा संरक्षण के द्वारा जहां हम अपने खर्चों में बचत कर सकते हैं वही आने वाली पीढ़ी को भी इसका लाभ दिलाने में कामयाब हो सकते हैं। उन्होंने सौर ऊर्जा को अधिक महत्व देने की अपील की। इस अवसर पर लक्सर ब्लॉक क्षेत्र से आये भारी संख्या में बच्चों ने चित्रकला, निबंध लेखन, वाद विवाद प्रतियोगिता में शिरकत की। जिसमें निर्णायक मंडल में प्रमुख रूप से उपखंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार सुशील कुमार चौधरी प्रभारी प्रतियोगिता बीआरसी हरपाल सिंह वरिष्ठ प्रशासनिक श्रीमती उषा श्रीमती सुनीता सिंह प्रमोद कुमार योगराज सिंह सहित भारी संख्या में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए विद्यालयों के प्रधानाचार्य व स्टाफ मौजूद था। प्रतियोगिता में निबंध में प्रथम स्थान कुमारी लक्ष्मी राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मुंडाखेड़ा प्रथम स्थान अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज निरंजनपुर से कुमारी नगमा द्वितीय स्थान व कुमारी वंशिका कुमारी सुमन कुमारी सफिया जनता इंटर कॉलेज सुल्तानपुर एवं तृतीय स्थान पर कुमारी राशि सैनी राजकीय इंटर कॉलेज निरंजनपुर कृष्णा राजकीय इंटर कॉलेज महाराजपुर कुमारी देविका ने चित्रकला में तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंत में खंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार ने कार्यक्रम का समापन करते हुए ऊर्जा संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने हेतु बच्चों से आह्वान किया।

भगवान की पावन स्मृति में एक विशाल संत समागम आयोजित किया गया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, खड़खड़ी भीमगोडा स्थित श्री माता काली कमली आश्रम में परम पूज्य ब्रह्मलीन गुरुदेव माता ब्रह्मगिरी महाराज माता बुद्धगिरी महाराज परम पूज्य गुरुदेव प्रयाग गिरी भारत गिरी आदि सभी गुरु भगवान की पावन स्मृति में एक विशाल संत समागम आयोजित किया गया इस अवसर पर बोलते हुए आश्रम की महंत साध्वी विजय गिरी महाराज ने कहा गुरु के श्री मुख से निकलने वाले पावन वचन भक्तों के मन मस्तिष्क में बसे अंधकार को दूर कर उसमें ज्ञान का उदय कर देते सभी पावन भक्तों को सत्य के मार्ग से भगवान के श्री चरणों में ले जाने वाले परम तपस्वी त्याग मूर्ति संत थे इस अवसर पर बोलते हुए स्वामी गोपाल गिरी महाराज ने कहा गुरुजनों की पावन शरण तन मन को पावन कर देती है और मस्तिष्क को ज्ञान के द्रव्य से द्रवित कर देती है इस अवसर पर बोलते हुए श्री महंत विष्णु दास महाराज ने कहा भगवान का भजन और गुरु के श्री मुख से निकले पावन वचन मनुष्य को भले बुरे की पहचान कराते हैं उनके ज्ञान का संवर्धन करते हैं महंत राम मुनि महाराज ने कहा गुरु इस पृथ्वी लोक पर साक्षात ज्ञान रूपी गंगा के रूप में प्र-

वाहित हो रहे हैं यह शरीर नाशवान है यह चला जाता है किंतु गुरुजनों के श्री मुख से निकला ज्ञान सदैव मनुष्य के मन मस्तिष्क में विद्यमान रहता है महंत सदा शिवानंद महाराज ने कहा गुरु चरणों की पावन रज मनुष्य के भाग्य का उदय कर देती है महंत दुगार्दास महाराज ने कहा जो भक्त गुरु के बताए मार्ग पर चलते हैं उन पर भगवान श्री हरि की कृपा सदैव बनी रहती है धर्म कर्म और गुरु जनों की पावन संगत मनुष्य के भाग्य का उदय कर देते स्वामी आकाश गिरी महाराज ने कहा गुरु हमारे सच्चे मार्गदर्शक एवं पथ दर्शन होते हैं गुरु के बताये मार्ग पर चलने से यह मानव जीवन सार्थक हो जाता है महंत रवि देव वेदांताचार्य ने कहा हमारे धर्म ग्रंथ हमें संस्कारवान चरित्र उच्च संस्कार देते हैं गुरु हमें सत्य की राह दिखाते हैं इस अवसर पर बोलते हुए श्री वीर सिंह ने कहा गुरु चरणों की पावन रज बड़े ही भाग्यशाली लोगों को प्राप्त होती है गुरुजनों का पावन सानिध्य मनुष्य का लोक एवं परलोक दोनों सुधार देता है इस अवसर पर महामंडलेश्वर चिद विलासानन्द महाराज महामंडलेश्वर महंत श्री अनंतानन्द महाराज श्री महंत दुर्गा दास महाराज श्री महंत विष्णु दास महाराज श्री महंत सूरज दास महाराज महंत मस्त गिरी महाराज महंत बिहारी शरण महाराज स्वामी अंकित शरण महाराज स्वामी पशुपतिनाथ गिरी स्वामी गोपाल गिरी महाराज स्वामी कमलेशानंद महाराज साध्वी माता सावित्री गिरी पार्वती गिरी महाराज सोम गिरी महाराज महंत हरिदास महाराज श्री महंत राम मुनि महाराज श्री महंत रवि देव वेदांताचार्य स्वामी आकाश गिरी महाराज श्री वीर सिंह स्वामी श्याम गिरी महाराज कोतवाल कमल मुनि महाराज देहरादून बाबा रमेशानन्द सहित भारी संख्या में संत महापुरुष तथा भक्त गण उपस्थितथे सभी ने आयोजित भंडारे में भोजन प्रसाद ग्रहण किया

पावन कृपा स्वरूप श्री गीता जयंती महोत्सव 2024 संत महापुरुषों की गरिमा मय उपस्थित के बीच संपन्न हुआ

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, गाजी वाला रोड श्यामपुर स्थित स्वामी देवानन्द सरस्वती आश्रम में परम पूज्य गुरुदेव पूर्व आचार्य महामंडलेश्वर आनन्द पीठाधीश्वर स्वामी देवानन्द सरस्वती जी महाराज की पावन कृपा स्वरूप श्री गीता जयंती महोत्सव 2024 संत महापुरुषों की गरिमा मय उपस्थित के बीच संपन्न हुआ इस अवसर पर बोलते हुए आश्रम के महंत स्वामी महानन्द महाराज ने कहा जिस प्रकार गुरुजनो का पावन सानिध्य भक्तों के भाग्य का उदय कर देता है उन्हें धर्म

कर्म के माध्यम से ईश्वर तक पहुंचाने की युक्ति बता देता है इसी प्रकार श्री गीता जी में जो भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को उपदेश दिये हैं अगर उनमें से कुछ को भी मनुष्य अपने जीवन में धारण कर ले तो उसके जीवन का उद्धार हो जाए

इस अवसर पर आश्रम में ध्वजा रोहण कार्यक्रम श्री गीता पारायण श्री गीता महायज्ञ सहित संत महापुरुषों व भक्तजनों हेतु भंडारे का आयोजन किया गया

इस अवसर पर महंत रघुवीर दास महाराज महंत नरेशानन्द महाराज महंत दुगार्दास महाराज महंत विष्णु दास महाराज महंत प्रहलाद दास महाराज महंत बिहारी शरण महाराज स्वामी अंकित शरण महाराज स्वामी आकाश गिरी महाराज महंत मस्त गिरी महाराज महंत सूरज दास महाराज महंत रवि देव महाराज स्वामी कमलेशानन्द महाराज प्रवीण कश्यप ठाकुर मनोजानंद कमल अग्रवाल देहरादून बाबा रमेशानन्द कोतवाल कमल मुनि महाराज सहित भारी संख्या में संत महापुरुष वह भक्तगण उपस्थित थे

नशे के लिए लोगो से झपटे मोबाइल,3 गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून कोतवाली पटेलनगर में मोबाइल लूटने की दो घटनाओं का पुलिस ने खुलासा करते हुए 3 अभियुक्तो को गिरफ्तार किया है। कोतवाली पटेलनगर निवासी एक व्यक्ति के काली मन्दिर भण्डारी बाग के पास फोन पर बात करने के दौरान एक अज्ञात वाहन चालक द्वारा झपट्टा मारकर उनके हाथ से फोन छीनने के सम्बन्ध में पीड़ित ने धारा-304 (2) बीएनएस दर्ज करवाया था। वहीं ब्राहमणवाला निवासी एक व्यक्ति ने शि-कायत दर्ज करवाई थी कि उनका रिश्तेदार जिस होटल से खाना लेकर अपने कमरे की तरफ आ रहा था, इस दौरान ब्राहमणवाला में उमंग विहार से पहले खाली पड़े खेतो के पास पीछे से आ रहे बाईक सवार 02 युवकों ने उनके रिश्तेदार के हाथ से मोबाइल छीन फरार हो गए। मोबाइल फोन लूट की दो घटनाओं में शामिल अभियुक्तो की धरपकड़ को गठित टीम द्वारा दोनो घटनास्थलों के सीसीटीवी कैमरों को चेक कर संदिग्ध व्यक्तियों का हुलिया प्राप्त किया व मुखबिरों को अभियुक्तो की जानकारी निकालने को कहा। मुखबिर की सूचना पर पुलिस द्वारा दोनो घटनाओ में शामिल 3 अभियुक्तो अनुज चौहान(20) पुत्र देवेन्द्र सिंह चौहान निवासी लेन न0 2 आदर्श विहार मकान जसवीर नेगी थाना पटेलनगर, देहरादून, विकास सिंह(22) पुत्र विनोद चौहान निवासी- लोहिया नगर ब्रहमपुरी पटेलनगर, देहरादून व इंद्र कुमार(21) पुत्र विशनल सैनी निवासी-लोहिया नगर ब्रहमपुरी, थाना पटेलनगर, देहरादून को पटेलनगर क्षेत्र में अलग अलग स्थानों, मण्डी के पीछे पड़े खाली ग्राउन्ड के पास से तथा ब्राहमणवाला उमंग विहार से पहले खाली पड़े खेतों से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से दोनों घटनाओं में लूटे गये 02 मोबाईल फोन तथा घटनाओं में प्रयुक्त 01 मोटर साईकिल संख्या यूके07 एफ ई -5663 तथा 01 स्कूटी संख्या यूके07 डीएल 9347 बरामद की गयी। पकड़े गए तीनो अभियुक्त नशे के आदी है व नशे के लिए पैसे की जरूरतों को पूरा करने के लिए उनके द्वारा मोबाइल लूट की घटनाओं को अंजाम दिया गया था।

दून में बैठकर नामी कंपनियों में डाटा एंट्री की जॉब के नाम पर अलग-अलग राज्यो के युवाओं से कर रहे थे ठगी, सरगना समेत 2 गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून देश की नामी टेक कंपनियों में डाटा एंट्री की नौकरी के लिए युवाओं को फर्जी आफर लेटर देकर प्रोसेसिंग फीस के नाम पर लाखों का चूना लगाने वाले एक साइबर गिरोह का एसटीएफ देहरादून ने पदार्फाश करते हुए गिरोह के सरगना समेत कुल 2 लोगो को गिरफ्तार किया है। साइबर ठगों द्वारा राजधानी देहरादून के सहारनपुर देहरादून मार्ग में स्थित बीजीटीसी बाबाजी ट्रांसपोर्ट कम्पनी के कार्यालय की आड में देश के सभी कोनो के बेरोजगार युवाओं से हर दिन 2500 से लेकर 30 हजार रुपये तक अलग अलग खातों में लेकर ठगी को अंजाम दिया जा रहा था। अभियुक्तो द्वारा बेरोजगार युवाओं को आईबीएम, एचसीएल, टेक-महेन्द्रा, एमेजॉन जैसी दिग्गज कंपनियों में नौकरी लगाने का झांसा दिया जाता था।एसएसपी एसटीएफ नवनीत भुल्लर ने बताया कि एसटीएफ को आईबीएम, एचसीएल, टेक-महेन्द्रा, एमेजॉन जैसी दिग्गज कम्पनियों के नाम पर बेरोजगार युवकों को फर्जी 'जॉब ऑफर लेटर' देकर प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर की जा रही साईबर ठगी के एक गिरोह के देहरादून में संचालित होने की सूचना मिली थी। जिसपर एसटीएफ ने गृह मंत्रालय के आई 4 सी के विभिन्न वेब पोर्टलों को जांचने पर देश दुनिया की दिग्गज कम्पनियों के नाम पर बेरोजगार युवकों को फर्जी जॉब ऑफर लेटर देकर प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर धनराशी लेने वाले कुछ साईबर ठगों के संदिग्ध मोबाईल नम्बर कोतवाली पटेलनगर क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय दिखा रहे थे। जिसपर एसटीएफ को पटेलनगर क्षेत्र से साइबर ठगी का गिरोह संचालित होने की पुष्टि हो गयी।सूचना की पुष्टि होने पर एसटीएफ देहरादून ने उक्त सभी संदिग्ध मोबाइल नम्बरो का डाटा खंगाला व जांच में समाने आये 5 संदिग्ध बैंक एकाउंटस के लेन देन का विवरण चेक किया,जिनमे देशभर के करीब हर राज्य से अलग अलग लोंगो द्वारा प्रतिदिन 2500 से 30 हजार रुपए की किस्तों में लाखों रुपए जमा किये जा रहे थे। उक्त बैंक खातों मे पिछले 02 माह में लाखों रुपए जमा किये गये और निकाले गये थे। खासतौर पर दक्षिणी राज्य तेलंगना, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र व कर्नाटक से उक्त खातों में सबसे ज्यादा धनराशि जमा करने के साक्ष्य मिले। इस सम्बन्ध में जब एसटीएफ ने दक्षिण भारत के राज्यो में ठगी की शिकायतों का डाटा खंगाला तो एसटीएफ को 1930 पोर्टल पर

कई बेरोजगार युवाओं के साथ दिग्गज कम्पनी में नौकरी के लिये इन्टरव्यू लेकर जॉब ऑफर लेटर देकर प्रोसेसिंग शुल्क के नाम पर ठगी होने की जानकारी हुई। जिनमें से 25 शिकायतें तेलंगना, आन्ध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्य में दर्ज पायी गयी हैं। एसएसपी ने बताया कि एसटीएफ टीम को गिरोह के पटेलनगर क्षेत्र से ऑपरेट होने की पुष्टि थी किन्तु गिरोह द्वारा फर्जी सिम इस्तेमाल करने व शातिराना तरीके से लोकेशन दूर दिखाई जा रही थी । जिसपर एसटीएफ टीम द्वारा 15 दिन में पटेलनगर क्षेत्र में ग्राउंड जीरो पर कार्य करते हुए सहारनपुर देहरादून मार्ग में स्थित बीजीटीसी बाबाजी ट्रांसपोर्ट कम्पनी के कार्यालय की आड़ में युवाओं को ठगने का गिरोह की जानकारी एकत्रित करते हुए आज गिरोह के दो सदस्यों को ईश्विंदर शेरगिल(30) पुत्र आर०एस० गिल नि० म०न० 89 गाँधी ग्राम पटेल देहरादून व विवेक रावत(32) पुत्र विजय सिंह रावत नि० मढाली, लैन्स डाउन, पौडी गढ़वाल वर्तमान आई० 8-90 जैदपुर, बदरपुर, नई दिल्ली को गिरफ्तार किया गया। एसटीएफ ने अभियुक्तो के पास से 2 लैपटॉप, 07 प्रिएक्टिव सिम कार्ड, 12 एटीएम कार्ड, 07 मोबाईल फोन, 02 पासबुक, 05 बैंकों की चैक बुक, 04 वॉकी-टॉकी सेट बरामद की गयी है। इस गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में एसटीएफ द्वारा जानकारी जुटाई जा रही है। एसएसपी ने बताया कि गिरोह का सरगना ईश्विंदर शेरगिल उर्फ सन्नी वर्ष 2019 में साईबर ठगी में ही थाना बसन्तकुंज दिल्ली से जेल गया था। छूटने के बाद साईबर कॉल सेन्टर में फिर कार्य करने लगा था वहां इसकी मुलाकात विवेक रावत से हुयी थी। फिर इन दोनों ने यहां देहरादून आकर अपना कार्य शुरू कर दिया। पूछताछ में ईष्विन्दर उर्फ सन्नी ने बताया कि देहरादून में उसके द्वारा बाबा जी ट्रांसपोर्ट कंपनी व सनी फाउंडेशन नाम का एन०जी०ओ० खोला था जहां तीन चार लड़को के साथ विवेक रावत को साईबर फॉड के कार्य के लिये लगा दिया और देश के दूर के अलग अलग राज्यो में मोबाईल कॉल कर बेरोजगार युवाओं को बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में नौकरी लगाने का झांसा देकर पैसा ठगे जाने का कार्य किया जाता था।

देहरादून: बुजुर्ग इंजीनियर की हत्या का खुलासा, किराए-दार की आड़ में रची गई खौफनाक साजिश

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून शहर के पॉश इलाके अलकनंदा एन्क्लेव में पूर्व इंजीनियर अशोक कुमार गर्ग की हत्या के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। इस ब्लाइंड मर्डर केस को सुलझाने के लिए पुलिस ने 750 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले और 500 से ज्यादा ई-रिक्शा की जांच की। चार दिन की अथक जांच के बाद पुलिस ने हत्या में शामिल दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

हत्या की वजह: लूट और पहचान उजागर होने का डरझ्र

76 वर्षीय अशोक कुमार गर्ग, ओएनजीसी से सेवानिवृत्त अभियंता, अकेले अपने मकान में रहते थे। उनके घर का ग्राउंड फ्लोर किराए पर देने के लिए खाली था। दो आरोपी नवीन कुमार चौधरी और अनंत जैन ने इसी कमरे को देखने के बहाने बुजुर्ग से मुलाकात की। घर में अकेलेपन और बैंक खाते में बड़ी रकम

की जानकारी पाकर उन्होंने लूट की योजना बनाई।

ऐसे रची गई साजिश–

नवीन कुमार, जो पेस्ट कंट्रोल का काम करता था, और अनंत जैन, जो फाइनेंस से जुड़े थे, दोनों आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे। नवीन की गर्भवती पत्नी के लिए ग्राउंड फ्लोर पर किराए का कमरा ढूंढने के बहाने, दोनों 9 दिसंबर को अशोक कुमार के घर पहुंचे। बातचीत के दौरान उन्होंने बैंक पासबुक में खाते की रकम देखी और लूट की योजना बनाई।

डराकर पासवर्ड मांगा, मना करने पर हत्या—

शाम को दोनों ने दोबारा अशोक कुमार से मुलाकात की और उन्हें घर के पिछले हिस्से में ले गए। वहां उन्होंने अशोक को डरा-धमकाकर पैसों की मांग की। जब अशोक ने नकद पैसे न होने और एटीएम पासवर्ड न बताने की बात कही, तो आरोपियों ने पेपर कटर से उनके गले और सीने पर वार कर उनकी हत्या कर दी।

कैसे पकड़े गए आरोपी?—

घटना स्थल पर कोई सीसीटीवी न होने के कारण पुलिस ने आसपास के इलाकों की फुटेज खंगाली। लाल रंग की एक ई-रिक्शा और संदिग्ध स्कूटी के आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंची। स्कूटी की जांच में पुलिस ने नवीन और अनंत का सुराग पाया और माउंट फोर्ट एकेडमी के पास एक फ्लैट से उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बरामद किए सबूत—

आरोपियों के पास से अशोक का एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, 1500 रुपये नकद, पर्स और घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद हुई। हत्या के समय पहने गए कपड़े और पेपर कटर को आरोपियों ने गुमराह करने के लिए सूखे नाले में फेंक दिया था, जिन्हें भी पुलिस ने बरामद कर लिया।

पुलिस टीम को मिला इनाम—

एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि इस जटिल केस को सुलझाने वाली पुलिस टीम को 25-25 हजार रुपये का इनाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि घटना के खुलासे में तकनीकी और जमीनी जांच का अद्भुत समन्वय देखने को मिला।

बुजुर्ग अशोक कुमार की पारिवारिक स्थिति—

अशोक कुमार गर्ग की पत्नी का पांच वर्ष पहले निधन हो चुका था, और उनकी दो बेटियां अलग-अलग शहरों में रहती हैं। घटना के दिन वह अपने मकान का किराए पर देने वाला कमरा रंग-रोगन करा रहे थे।इस केस ने देहरादून जैसे शांत शहर को झकझोर दिया है, लेकिन पुलिस की त्वरित और सटीक कार्रवाई ने न्याय सुनिश्चित किया।

डीजीपी दीपम सेठ की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय में अधिकारियों के साथ मीटिंग,साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए दिए ये निर्देश

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून डीजीपी दीपम सेठ की अध्यक्षता में पुलिस मुख्यालय स्थित सभागार में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने एवं उत्तराखण्ड पुलिस को साइबर क्राईम के क्षेत्र में और अधिक सुदृढ़ व तकनीकी रुप से सशक्त करने के लिए एक गोष्ठी आयोजित की गयी।

पुलिस महानिदेशक द्वारा साईबर क्राइम पुलिस स्टेशन, देहरादून के कार्यों एवं जनशक्ति की समीक्षा करते हुए साइबर क्राईम की शिकायतों का रजिस्ट्रेशन बढ़ाने एवं वर्कआउट प्रतिशत बढ़ाने के निर्देश दिये। साथ ही उत्तराखण्ड पुलिस को साइबर क्राईम के क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिये विचार विर्मश करते हुए निम्न दिशा -निर्देश निर्गत किये गए -*

* साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने हेतु बैंकिंग सैक्टर की भूमिका निर्धारित करते हुये सभी नोडल अधिकारियों को इस सम्बन्ध में एसओपी जारी करने के निर्देश दिए।

* साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु राज्य स्तर पर एक स्टेट साइबर क्राईम हेडक्वार्टर (र43)/ साईबर सेंटर ऑफ एक्सलेंस स्थापित किये जाने हेतु शासन से पत्राचार करने हेतु निर्देशित किया गया , जिससे राज्य में साइबर पुलिस बल को आधुनिक एवं तकनीकी रूप से और अधिक कुशल बनाया जा सकें ।

* साइबर अपराधों अंकुश लगाये जाने हेतु प्रत्येक जिला स्तर पर एक साइबर थाना खोले जाने हेतु शासन को प्रस्ताव भेजे जाने एवं साइबर थाना कुमाँऊ व गढ़वाल परिक्षेत्र की जन शक्ति में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया ।

* चण्डीगढ़ पुलिस द्वारा 1930 हेल्पलाइन के क्रियान्वयन एवं साईबर क्राइम पर की जा रही कार्यवाही का अध्ययन करने हेतु एक टीम को चण्डीगढ़ भेजे जाने हेतु निर्देशित किया गया ।

* साईबर क्राइम से बचाव हेतु जनजागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है, इस पर विशेष ध्यान देते हुए आमजन को साईबर क्राइम एवं उसके टङ्ग्४२ डस्त्री१ंल्र्ला के सम्बन्ध में जागरूक किया जाये ।

* साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु अधिक से अधिक पुलिस बल को साइबर सम्बन्धी प्रशिक्षण दिये जाने तथा प्रत्येक जिले में प्रशिक्षित साइबर सैल कर्मियों को साइबर सैल/ साइबर थाने पर नियुक्त किये जाने के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया। उक्त गोष्ठी में एपी अंशुमान, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रशासन/ अभिसूचना/ पीएसी/ सीसीटीएनएस/ दूरसंचार, नीलेश आनन्द भरणें, पुलिस महानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था, उत्तराखण्ड, अनंत शंकर ताकवाले, पुलिस महानिरीक्षक, कार्मिक, सेंथिल अब्दई कृष्ण राज एस, पुलिस उप महानिरीक्षक, पी एण्ड एम एसटीएफ, पी रेणुका देवी, पुलिस उप महानिरीक्षक, अपराध एवं कानून व्यवस्था/ जीआरपी सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बुजुर्ग की हत्या में इस्तेमाल पेपर कटर व अभियुक्तो के कपडे बरामद

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून थाना बसन्त विहार के पॉश इलाके में हुई 75 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या में गिरफ्तार दोनो अभियुक्तो की निशानदेही पर पुलिस ने आज कैनाल रोड में एक खाली ग्राउंड में एक बैग में हत्या के वक़्त पहने कपडे व पेपर कटर को बरामद कर लिया है। गौरतलब है कि बंसत विहार के अलकनंदा एनक्लेव में बीती 9 दिसंबर की रात को हत्या हो गयी थी जिसमे कल दून पुलिस ने खुलासा करते हुए दो व्यक्ति नवीन चौधरी व अनन्त जैन को गिरफ्तार किया था। अभियुक्तो द्वारा किराए का कमरा देखने के दौरान घर की टेबल पर पड़ी बैंक पासबुक में बुजुर्ग के खाते में बहुत पैसा होने पर बुजुर्ग को लूटने का प्लान बनाया था किंतु बुजुर्ग द्वारा कैश न रखने व केवल ऑनलाइन ट्रांसक्शन करने की बात कहने व शोर मचाने पर अभियुक्तो द्वारा पेपर कटर से बुजुर्ग के सीने पर वार कर दिया था,जिसके बाद शोर सुनकर आसपास के लोगो के आने से अभियुक्त मौके से फरार हो गए थे। पुलिस को गुमराह करने के लिए अभियुक्तो द्वारा हत्या के वक़्त पहने कपड़ो व पेपर कटर को एक बैग में एक स्थान पर फेंकने की बात कही थी,जिसपर अभियुक्तो की निशानदेही पर पुलिस ने आज कैनाल रोड कैलाश नर्सरी के सामने से एक खाली ग्राउण्ड से अभियुक्तों द्वारा महरूम रंग के बैग में छुपाकर रखे गये जैकेट तथा एक काले रंग का पेपर कटर चाकू बरामद कर लिया है।

सीओ जूही मनराल ने किया श्यामपुर का निरीक्षण

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

श्यामपुर शुक्रवार को सीओ सिटी जूही मनराल द्वारा थाना श्यामपुर का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया गया जहां उन्होंने थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस कक्ष, मालखाना, भोजनालय, कर्मचारी गण बैरिक व थाना परिसर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके द्वारा थाने में उपस्थित सभी अधिकारी व कर्मचारी गणों से सभी शस्त्रों को हैंडल करवाना, उनका अभ्यास व खुलवाने-बन्द की प्रैक्टिस जांची। उन्होंने स्वयं भी हथियारों के चालू हालात की जांच की।निरीक्षण में उनके द्वारा थाना कार्यालय, सीसीटीएनएस व मालखाना सम्बन्धित रजिस्टरों की मेंटेनेस व कार्यवाही देखी व थानाध्यक्ष व सभी विवेचकों को थाने के सभी मामलों का समयबद्ध होकर निस्तारण करने को कहा।

निरीक्षण के उपरान्त सीओ जूही मनराल द्वारा श्यामपुर के ग्राम प्रधानों, सीएलजी सदस्यों, एसपीओ व सभ्रांत व्यक्तियों के साथ बैठक आयोजित कर क्षेत्र में पुलिस टीम द्वारा बनाई जा रही ट्रैफिक व्यवस्था में सहयोग, नशा के प्रति स्वयं से जागरूक व सजग रहने, साइबर क्राईम, महिला सुरक्षा व अन्य महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों पर जानकारी दी गई।

उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संघ ने दिवंगत नेता स्वर्गीय जगमोहन सिंह रावत को दी श्रद्धांजलि

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, भटवाड़ी स्थित पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस प्रांगण में आज उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संघ द्वारा दिवंगत नेता स्वर्गीय जगमोहन सिंह रावत के 8 दिसंबर को हुए दुखद निधन के उपरांत एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

सभा में स्वर्गीय रावत के राज्य आंदोलन और क्षेत्र के विकास में उनके योगदान और संघर्षों को याद किया गया। स्वर्गीय जगमोहन रावत उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी, भटवाड़ी विकासखंड के पूर्व ज्येष्ठ प्रमुख, और उत्तरकाशी कांग्रेस के जिलाध्यक्ष रह चुके थे। श्रद्धांजलि देने पहुंचे लोगों ने उनके सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन के प्रेरणादायक सफर को स्मरण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर राज्य आंदोलनकारी मंच के जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र राणा ने कहा, स्वर्गीय रावत जी का जीवन संघर्ष और समर्पण का प्रतीक था। उन्होंने राज्य आंदोलन में जो योगदान दिया, वह अविस्मरणीय है। उनका संघर्ष और समर्पण हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

वीरेंद्र रावत ने कहा, स्वर्गीय रावत जी का जीवन समाज के हर वर्ग के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अपने जीवन में जो आदर्श स्थापित किए, वे आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक रहेंगे।

प्रताप प्रकाश पंवार ने कहा, स्वर्गीय रावत जी का सरल और समर्पित व्यक्तित्व हर दिल में अमर रहेगा। उन्होंने समाज और राज्य के लिए जो योगदान दिए, वे आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते रहेंगे। उनकी अमूल्य विरासत हम सभी को सही दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करती रहेगी। सभा के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। इस अवसर पर कई प्रमुख आंदोलनकारी और सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने स्वर्गीय रावत जी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया।

इस अवसर पर राज्य आंदोलनकारी मंच के जिलाध्यक्ष ज्ञानेंद्र राणा, वीरेंद्र रावत, कमल सिंह, विक्रम सिंह, नागेंद्र सिंह, दिनेश सिंह, देवेंद्र सिंह, धनपाल, जगमोहन, महावीर सिंह, श्रीमत सिंह, रविन्द्र सिंह, सत्या रावत, शिवेंद्र सिंह, दीपचंद रावत, रघुवीर सिंह, रूपेंद्र सिंह, वीरेश सिंह, अभिमन्यु, सुदर्शन चौहान, प्रताप प्रकाश पंवार, अविनाश रावत, भूपेंद्र रावत, सरदार सिंह सहित उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय रावत जी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनके प्रति सम्मान प्रकट किया।

उत्तरकाशी जिला सहकारी बैंक में उच्चाधिकारियों का दौरा

गुजरात से आए उच्च अधिकारियों ने की बैंक की कार्यप्रणाली की समीक्षा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

2024 इस सप्ताह सोमवार को उत्तरकाशी जिला सहकारी बैंक में उत्तराखंड राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड, गांधीनगर, गुजरात से महाप्रबंधक मुकेश महेश्वरी, उप महाप्रबंधक वंदना लखेड़ा, कृष्ण सिंह कैंतूरा, नारायणी सिंह एवं सुभाष शाह द्वारा एक महत्वपूर्ण विजिट किया गया। इस अवसर पर उत्तरकाशी जोशियाडा सहकारी बैंक शाखा में वरिष्ठ शाखा प्रबंधक एवं बैंक यूनियन के अध्यक्ष चंद्रवीर सिंह बिष्ट द्वारा फूल का गुलदस्ता देकर सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस विजिट का मुख्य उद्देश्य बैंक की कार्यप्रणाली, वित्तीय स्थिति और ग्राहकों को प्रदान की जा रही सेवाओं का निरीक्षण करना था। प्रतिनिधियों ने बैंक की विभिन्न शाखाओं का दौरा किया और वहां की व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। बैंक की वित्तीय स्थिति का गहन निरीक्षण किया गया और यह सुनिश्चित किया गया कि सभी वित्तीय लेन-देन पारदर्शी और सही तरीके से हो रहे हैं। बैंक द्वारा ग्राहकों को प्रदान की जा रही सेवाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन किया गया। इसमें ग्राहकों की संतुष्टि और उनकी समस्याओं का समाधान शामिल था। बैंक के लिए कर्ज वसूली एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। इस पर विशेष ध्यान दिया गया और इसके समाधान के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई। बैंक की भविष्य की योजनाओं और रणनीतियों पर भी विचार-विमर्श किया गया, ताकि बैंक की सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके। बैंक ने डिजिटल बैंकिंग सेवाओं के विस्तार पर जोर दिया। इसमें मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और अन्य डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर चर्चा की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए

विशेष योजनाएं बनाई गईं। इसके तहत, अधिक से अधिक ग्रामीण शाखाओं की स्थापना और मोबाइल बैंकिंग वैन की सुविधा पर विचार किया गया। बैंक के कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। उन्हें नई तकनीकों और बैंकिंग प्रक्रियाओं के बारे में अद्यतन जानकारी प्रदान करने के लिए नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। प्रतिनिधियों ने बैंक की कार्यप्रणाली और सेवाओं की सराहना की। उन्होंने बैंक के अधिकारियों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी और भविष्य में भी इसी तरह के निरीक्षणों की आवश्यकता पर जोर दिया। इस विजिट के बाद, उत्तरकाशी जिला सहकारी बैंक ने अपनी सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाने का निर्णय लिया है। बैंक की प्राथमिकता ग्राहकों की संतुष्टि और वित्तीय स्थिरता को बनाए रखना है। यह विजिट बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ है और इससे बैंक की कार्यप्रणाली में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इस अवसर पर उत्तरकाशी सहकारी बैंक के मुख्यालय से समस्त अनुभाग अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें अमित कुमार शुक्ला, ज्ञानेंद्र सिंह परमार, वरिष्ठ शाखा प्रबंधक शिवराज सिंह, जयेंद्र शाह, पयाल रावत, जयेंद्र सिंह असवाल, और अनिल केतुरा शामिल थे।

खेलों के क्षेत्र में नई ऊंचाईयों को छू रहा भारत

समय समय पर टिहरी झील में होनी चाहिए साहसिक खेल व पर्यटन गतिविधियां

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून टिहरी नगर प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि तीसरी बार वाटर स्पोर्टस की प्रतियोगिता सफलता पूर्वक संपन्न करने जा रहे है। यह प्रतियोगिता आज अपने उत्कृष्ट की ओर आगे बढ रही है और ऊर्जा व जल प्रबंधन के साथ साहसिक खेलों की दृष्टि में टिहरी झील अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है और समय समय पर इस प्रकार के खेल होते रहने चाहिए और इसके अलावा साहसिक खेलों के साथ ही पर्यटन की गतिविधियां भी होती रहनी चाहिए।

यहां तृतीय टिहरी वाटर स्पोर्टस कप 2०24 के समापन समारोह में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं से विकास के क्षेत्र में प्रगति के आसमानों को छूने का काम करेगा और खेल भावना विकसित हो और संघर्षशीलता जैसे गुणों व व्यक्तित्व का विकास हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कार्यकाल में खेलो इंडिया सहित अनेक कार्य किये

और भारत खेलों के क्षेत्र में नई ऊंचाईयों का छू रहा है और वैश्विक व राष्टीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है और प्रदेश में नई खेल नीति लागू की है और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने पर आउट ऑफ टर्म के अंतर्गत नौकरी प्रदान कर रहे है और खिलाडियों को सम्मानित कर रहे है और राजकीय सेवाओं में खिलाडियों को चार प्रतिशत खेल कोटा प्रदान किया जा रहा है और खिलाडियों को उचित प्रतिनिधित्व मिल सके और उन्हें सम्मान मिल सके और शीघ्र ही राज्य में खेल विश्वविद्यालय बनने जा रहा है और तेजी से काम कर रहे है।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी का अवसर पैदा हो गया है और इसकी तैयारियों में लग गये है और तीन दिन पूर्व बडी बैठक की है और अब देवभूमि खेल भूमि के नाम से भी जानी जायेगी और प्रकृति का संदेश हर घर तक पहुंचे और अनेकों का कार्य राज्य सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल युवाओं व खिलाडियों में नई ऊर्जा व उत्साह का संचार करेगा और खेलों का इन्फ्रास्टक्चर बनाये जा रहे है और इस बार के खेल ऐतिहासिक होगें और विश्व स्तरीय पहचान दिलाने में सफल रहेंगें और यहां पर जी 2० की दो सफल बैठके हुई और टीम के सदस्यों ने गांवों का भ्रमण किया और वह ब्रांड एम्बेसडर बनकर गये और रामनगर का जी 2० बैठक भी सफल रही और इन्वेटर समिट भी पूरी तरह से सफल रहा है और ग्राउंडिंग में तेजी से काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि टिहरी झील जैसे स्थान इस बात का प्रमाण है कि इस प्रकार के खेलों का आयोजन होते रहेंगें और आने वाले समय में यह आयोजन बढते जाना है और सभी को बधाई दी और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लगन की भी सराहना की है और खेलों में हार जीत की और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनायेंगें। इस अवसर पर उन्होंने टिहरी के विकास के लिए अनेक घोषणायें की और जिसमें टिहरी हार्ट मिक्स से सडकों का निर्माण किया जायेगा और मल्टी पार्किंग का निर्माण किया जायेगा और पेयजल पंपिंग योजना का निर्माण किया जायेगा और खेल मैदान का निर्माण किया जायेगा। इस अवसर पर सभी आयोजकों के अथक प्रयास व कडी मेहनत से इस आयोजन को सफल बनाया है।

प्रेरणादायक पहल - खुशियां बांटने से दोगुनी हो जाती हैं, अगर वक्त मिले तो दूसरों के साथ अपनी खुशियां बांटें

झज्जर : जिला मुख्यालय के अंतिम छोर पर बसे वीरों की देवभूमि कहे जाने वाले गांव धारौली की सामाजिक संस्था मां-मातृभूमि सेवा समिति द्वारा राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धनिया गांव, जिला झज्जर के 53 जरूरतमंद विद्यार्थियों व 4 महिला कर्मचारियों को आयोजित वस्त्र समर्पण सेवा कार्यक्रम में कुल 57 स्वेटर वितरण की गई कस्वेटर पाकर सभी विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

समाजसेवी एवं शिक्षाविद् माननीय चेयरमैन सुखबीर जाखड़ ने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप मे पधारे कअपने संबोधन में सुखबीर जाखड़ ने कहा कि खुशियां बांटने से हमेशा खुशियां बढ़ती हैं, इसलिए कोशिश करें कि अपने साथ दूसरों को भी खुश रखें जिसे खुशियां आपकी दोगुनी हो जायेगी।

सुधराणा गांव, जिला रेवाड़ी की समाजसेविका व रक्तदानी लक्ष्मी सिंह और पर्यावरण संरक्षण को समर्पित मंजीत सिंह अम्बोली निवासी, प्रो. श्री हँस बैग हाउस, कोसली ने कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। लक्ष्मी सिंह व मंजीत सिंह ने संयुक्त रूप से अपने संबोधन मे कहा कि शास्त्रों व विद्वानों का भी कहना है कि मनुष्य को अपनी नेक कमाई से कुछ अंश सामाजिक कामों और जरूरतमंदों की भलाई में खर्च करना चाहिए माननीय पवन कुमार, मुख्याध्यापक, राजकीय माध्यमिक विद्यालय, धनिया गांव, जिला झज्जर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की कमुख्याध्यापक ने मां-मातृभूमि सेवा समिति की विद्यार्थियों को निःशुल्क स्वेटर वितरण करने की अनूठी पहल की भूरी भूरी प्रशंसा की।

21 बार रक्तदान कर चुके युद्धवीर सिंह लांबा, अध्यक्ष, मां-मातृभूमि सेवा समिति, वीरों की देवभूमि धारौली ने बताया कि 1. सुखबीर जाखड़, चेयरमैन, रिलायंस ग्रुप ऑफ स्कूल्स 2.रक्तदानी मंजीत सिंह, प्रो. श्री हँस बैग हाउस, कोसली 3.सुधराणा गांव, जिला रेवाड़ी की रक्तदानी लक्ष्मी सिंह 4.धनिया गांव, जिला झज्जर निवासी नवीन कुमार सेक्रेटरी 5.युद्धवीर सिंह लांबा,वीरों की देवभूमि धारौली 6.समाजसेवी व रक्तदानी सागर यादव, (फिजिकल ट्रेनर ऑफ इंडियन नेवी) रेलवे स्टेशन कोसली 7.हरियाणा सरकार में जूनियर इंजीनियर अजय मलिक, खानपुर कलां, सोनीपत 8.कोसली रेलवे स्टेशन में नाहड रोड पर 'सोनू मोटर वाइंडिंग सेंटर' प्रो. सोनू कुमार धारौली 9. प्रेमसुख कुमार, प्रो.,बिट्टू स्कूल ड्रेस, कोसली 10.रक्तदानी नितेश भौरिया, प्रो.अर्बन युवा रेडीमेड स्टोर, कोसली में कपड़ों की मशहूर दुकान 11.रक्तदानी मास्टर रोहित यादव, कोसली 12.शिक्षाविद व रक्तदानी मास्टर पवन कुमार, गांव धनीरवास झज्जर निवासी 13. पंजाब नेशनल बैंक में कार्यरत रक्तदानी धर्मपाल बेरीवाल तुम्बाहेडी निवासी 14.फौजी महेश कुमार रक्तदानी, धारोली निवासी 15.समाजसेवी व शिक्षाविद मास्टर सतीश यादव, भाकली निवासी 16.पोस्ट ऑफिस में पीए पद पर कार्यरत रक्तदानी अमित कुमार मुबारिकपुर, झज्जर निवासी 17.कुलवेन्द्र सिंह यादव, गांव मुमताजपुर, जिला रेवाड़ी आदि समाजसेवियों व शिक्षाविदों ने अपनी ईमानदारी से कमाया नेक धन से कार्यक्रम के सफल आयोजन मे सहयोग दिया ।

साप्ताहिक शुक्रवार परेड का किया गया निरीक्षण, दिये गए आवश्यक दिशा निर्देश

संत कबीर नगर,

क्षेत्राधिकारी मेहदावल/लाईन केशवनाथ द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड मे साप्ताहिक शुक्रवार परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया। परेड में सम्मिलित पुलिस कर्मियों के टर्नआउट को चेक करते हुए सभी अधिकारी/कर्मचारीगणों को ड्यूटी के दौरान उच्च कोटि की वर्दी पहनने व जनता से मधुर व्यवहार स्थापित करने के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के पश्चात कर्मियों को शारीरिक रुप से फिट रहने हेतु दौड़ लगवाई गई व परेड के दौरान अनुशासन व एकरुपता के लिए टोलीवार ड्रिल कराई गई। परेड के उपरान्त पुलिस लाइन परिसर में मेस, गणना कार्यालय, आमी बैरक, साइबर क्राइम थाना आदि का निरीक्षण किया गया तथा पुलिस लाइन की बेहतर साफ-सफाई हेतु प्रतिसार निरीक्षक को निर्देशित किया गया।लाइन के आदेश कक्ष मे सभी गार्द रजिस्टरों को चेक करते हुए गार्द की सुरक्षा के संबंध मे सभी गार्द कमांडरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

सीडीओ की अध्यक्षता में बर्ड फ्लू की रोकथाम से सम्बंधित टास्क फोर्स की बैठक हुई आयोजित

संत कबीर नगर,

जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी की अध्यक्षता में बर्ड फ्लू की रोकथाम से सम्बंधित जनपद स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। बैठक के दौरान पशु चिकित्साधिकारी द्वारा बताया गया कि बर्ड फ्लू एक विषाणु जनित रोग है, इससे मनुष्य में बीमारी होने का खतरा बना रहता है। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सहित समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया

डीएम की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0 एवं कर-करेत्तर की समीक्षा बैठक हुयी आयोजित

संत कबीर नगर,

जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर की अध्यक्षता में आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर मुख्यमंत्री संदर्भ, आयुक्त संदर्भ, जिलाधिकारी संदर्भ, तहसील दिवस संदर्भ सहित अन्य संदर्भों के सापेक्ष प्राप्त, निस्तारित एवं लम्बित शिकायतों/प्रकरणों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) जयप्रकाश उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने कहा कि अधिकारीगण आइ0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त संदर्भों को निर्धारित समय सीमा के अन्दर अवश्य निस्तारित कर दें, जिससे कोई भी संदर्भ डिफाल्टर की श्रेणी में न जाए। संदर्भों के निस्तारण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान दिया जाए। सभी अधिकारीगण नियमित तौर पर पोर्टल पर संदर्भों को प्राप्त होते ही निस्तारित करने की दिशा में कार्यवाही प्रारंभ करना सुनिश्चित करें।समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि यदि किसी अधिकारी को उसके विभाग से संबंधित संदर्भों के निस्तारण में लापरवाही पाई गई तो उसके विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री जी के जनता दर्शन में प्राप्त जो भी प्रार्थना पत्र आते हैं उसे अधिकारीगण आवश्यकतानुसार संबंधित विभागीय अधिकारी से संपर्क कर तत्काल निस्तारित करना सुनिश्चित करेंगे। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हो एवं जनसामान्य के शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारीगण आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करके रिपोर्ट को पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों के निस्तारण प्रक्रिया के दौरान शिकायतकर्ता का पक्ष भी अवश्य सुना जाए और सदंर्भो के निस्तारण का परिणाम से भी शिकायतकर्ता को अवगत कराया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायत की जांच हेतु संबंधित अधिकारी मौके पर जाने से पूर्व शिकायत से सम्बन्धित सभी पक्षों को अवश्य अवगत करावें। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी विभागीय अधिकारीगणों को निर्देशित किया कि उनके विभाग से संबंधित योजनाओं एवं निर्माण कार्यों में लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति पर विशेष ध्यान दें, जिससे सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग अच्छी बनी रहे।

महादेवा में बन रही दस मीटर चौड़ी सड़क, कॉरिडोर बनने का कार्य तेज

बाराबंकी,

महाभारत कालीन लोधेश्वर में सड़क चौड़ीकरण का कार्य तेजी से जारी है। प्रथम फेज में महादेवा चौकी से लोधौरा चौराहा होकर टंकी तक सड़क चौड़ीकरण हो रहा है। इसके बाद चौकी से केसरीपुर पुर मोड़ तक का कार्य शुरू होगा। लोधेश्वर महादेवा में मंदिर के सामने व बाहर निकली सड़कें चौड़ी होनी है। अभी तक सड़कें सात मीटर की हैं। इन्हें दस मीटर किया जाना है।

इसके बाद दो-दो मीटर इंटरलाकिंग लगेगी। बिजली के खम्भे उखड़ने के बाद सड़क निर्माण कार्य में तेजी आई है।जगह-जगह गिट्टियां ट्रकों से उतर कर सड़क किनारे डाली गई हैं। लोक निर्माण विभाग एक महीने के अंदर सभी कार्य खत्म कराने का प्लान लेकर चल रहा है। फरवरी मे फाल्गुनी मेला शुरू हो जाएगा जो पंद्रह दिन चलेगा। इसके पहले सभी सडकें यदि बन गईं तो श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी।

इजरायल सरकार के विशेषज्ञ ने किया इण्डो-इजराइल सेन्टर आफ 'एक्सीलेन्स फार मैंगो, बंजरिया का भ्रमण

बस्ती,

आज शुक्रवार को पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इण्डो-इजराइल सेन्टर आफ 'एक्सीलेन्स फार मैंगो, बंजरिया, जनपद-बस्ती में भारत-इजरायल मैत्री को और प्रगाढ़ करने एवं केन्द्र पर संचालित हो रहे कार्यक्रमों की प्रगति को परखने के लिए इजरायल सरकार के विशेषज्ञ उरी रुबिनस्टीन द्वारा भ्रमण किया गया। भ्रमण के समय डा० वीरेन्द्र सिंह, संयुक्त निदेशक, औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बस्ती, गीता त्रिवेदी, उपनिदेशक उद्यान अयोध्या मण्डल, अयोध्या, अनीश कुमार श्रीवास्तव, प्रभारी अधिकारी, सेन्टर आफ एक्सीलेन्स, बंजरिया, बस्ती, अरूण कुमार तिवारी, जिला उद्यान अधिकारी, बस्ती एवं सेन्टर आफ एक्सीलेन्स फार मँगो, बंजरिया, जनपद- बस्ती व सेन्टर आफ एक्सीलेन्स फार वेजिटेबुल, नर्मदा, जनपद- कन्नौज पर विभाग द्वारा विभिन्न विशेषज्ञों के लिए आउटसोर्स के माध्यम से नवनियुक्त कुल 09 कार्मिकों के साथ केन्द्र के अन्य अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थें। भ्रमण के दौरान सुयक्त निदेशक, बस्ती द्वारा शाकभाजी पौध उत्पादन व आम कलमी पौध उत्पादन के

साथ-साथ प्रक्षेत्र पर प्रदर्शन के रूप में कराये गये (इजरायली तकनीकी) प्रक्षेत्र प्रदर्शनों का भ्रमण कराया गया।

इजरायल सरकार के विशेषज्ञ द्वारा केन्द्र पर बने फर्टिगेशन सिस्टम का निरीक्षण किया गया जिसको अपग्रेड कराने के पश्चात फर्टिगेशन के माध्यम से पौधों में सिंचाई एवं पोषक तत्वों का प्रयोग किया जाय। प्रक्षेत्र प्रदर्शन भ्रमण के दौरान यह पाया गया कि ड्रिप लाइन बहुत पुरानी एवं क्षतिग्रस्त हो गयी है जिसको बदलने का सुझाव दिया गया है। साथ ही साथ सेन्टर पर आम रूट स्टाक एवं कैनोपी मैनेजमेन्ट का अवलोकन किया गया तथा तकनीकी सुझाव देते हुए केन्द्र के कार्यरत अधिकारियों/कर्मचारियों नवनियुक्त आउटसोर्सिंग कार्मिकों को चयनित विलेज आफ एक्सीलेन्स के प्रत्येक गांवों में 05 मास्टर ट्रेनर तैयार किया जाय। जिससे कि केन्द्र पर इजरायली सरकार के विशेषज्ञों के सुझाव के अनुसार केन्द्र पर संचालित विभिन्न नवीन औद्यानिक तकनीकियों जिससे कृषकों की आय में बढ़ोत्तरी होगी। का ज्यादा से ज्यादा बागवानो/कृषकों में प्रचार-प्रसार हो सकें भ्रमण के दौरान केन्द्र पर जनपद के विभिन्न गांवों से आये 60-70 कृषकों को अपने सम्बोधन में नयी तकनीकी अपनाने हेतु सुझाव दिये गयें तथा अपने उद्बोधन में जनपद के किसानो एवं अधिकारियों द्वारा दिये गये सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया गया।

केन्द्र पर इजरायली सरकार के विशेषज्ञ एवं उपनिदेशक उद्यान अयोध्या मण्डल, अयोध्या के द्वारा नवीन रंगीन प्रजातियों के पौध रोपण भी किया गया।

पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल ने ली मासिक अपराध गोष्ठी, नशा और अपराध पर कसी नकेल

ड्यूटी में लापरवाही अक्षम्य एसपी सरिता डोबाल के सख्त निर्देश

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल ने आज पुलिस लाइन ज्ञानसू में अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों का मासिक सम्मेलन और अपराध गोष्ठी आयोजित की। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

सम्मेलन में एसपी डोबाल ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी और कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी और समर्पण के साथ करने के निर्देश दिए। उन्होंने बीट में नियुक्त सभी पुलिस कर्मियों को अपने-अपने बीट की महत्वपूर्ण जानकारियां ई-बीट बुक में नियमित रूप से मेंटेन करने और शिकायतों पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

एसपी डोबाल ने थाने पर आने वाले शिकायतकर्ताओं और आगंतुकों के लिए अलग से रजिस्टर तैयार करने और शिकायतों को नियमित रूप से मेंटेन करने के निर्देश दिए। उन्होंने ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और निर्धारित समय के अंदर निस्तारण के निर्देश भी दिए। शीतकालीन यात्रा के दृष्टिगत यात्रियों की हर संभव मदद और मृदु व्यवहार के साथ सतर्कता

बरतने के निर्देश दिए गए।

सैनिक सम्मेलन में एसपी डोबाल ने नशे के विरुद्ध उत्कृष्ट कार्य करने वाले 8 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कानि0 सुनील जयाडा को ₹मैन ऑफ द मंथ₹ घोषित किया गया। सम्मानित अधिकारियों और कर्मचारियों में शामिल थेः

1. प्रभारी निरीक्षक कोतवाली उत्तरकाशी, अमरजीत सिंह
2. थानाध्यक्ष पुरोला, मोहन कठैत
3. उ0नि0 विनोद पंवार, कोतवाली उत्तरकाशी
4. हे0कानि0 रणजीत कुमार, कोतवाली उत्तरकाशी
5. हे0कानि0 बबलू खान, एस0ओ0जी यमुनावैली
6. हे0कानि0 अव्बल सिंह, थाना पुरोला
7. कानि0 सुनील जयाडा, एस0ओ0जी0 यमुनावैली
8. कानि0 दीपक चौहान, कोतवाली उत्तरकाशी

मासिक अपराधों की समीक्षा करते हुए एसपी डोबाल ने सभी प्रभारियों को लंबित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना-पत्रों, सम्मन, वारंट और अहकामातों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय/साइबर धोखाधड़ी और महिला अपराधों के प्रति संवेदनशीलता बरतते हुए विवेचना में गुणवत्ता और सुधार लाने के निर्देश दिए।

एसपी डोबाल ने नशा तस्करों पर अंकुश लगाने के लिए सभी को अवैध नशा कारोबारियों के खिलाफ सक्रिय रहकर जानकारी जुटाने और कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने साइबर, महिला अपराध और अन्य अपराधों की रोकथाम के लिए आवश्यक हिदायतें दीं और जनता में जागरूकता बढ़ाने के लिए जनजागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए।

सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए निरीक्षक यातायात और सभी थाना/कोतवाली प्रभारियों को रूटीन वाहन चेकिंग अभियान चलाने और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मासिक अपराध गोष्ठी में पुलिस उपाधीक्षक सुरेन्द्र सिंह भंडारी, प्रतिसार निरीक्षक शिव कुमार पंवार, निरीक्षक यातायात राजेन्द्र नाथ, निरीक्षक एल0आई0यू0 दीपक रावत सहित सभी कोतवाली/थाना/ईकाई प्रभारियों और अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

गाबा में तीसरे टेस्ट को लेकर आस्ट्रेलिया टेंशन में, भारत दे चुका है करारी शिकस्त

नई दिल्ली

भारत-आस्ट्रेलिया का तीसरा टेस्ट गाबा में होने वाला है जिसको लेकर आस्ट्रेलिया ने टीम का ऐलान भी कर दिया है। गाबा वह मैदान है जहां आस्ट्रेलिया को हराना मुश्किल होता है लेकिन 2021 में गाबा में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को हराया था। यह बात रोहित ब्रिगेड का हौसला बुदंल कर रही है। ऑस्ट्रेलिया भी उस हार को भुलाना चाहेगा।ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने कहा कि यह वक्त उस हार के बारे में सोचने का नहीं है। इसकी बजाय टीम को एडिलेड की तरह वापसी करने की अपनी क्षमता पर ध्यान देना होगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के 2021 में गाबा टेस्ट मैच में ऋषभ पंत और शुभमन गिल की शानदार पारियों के दम पर हार का मजा चखाया था। यह ऑस्ट्रेलिया की इस मैदान पर 1988 के बाद पहली हार थी।

अब दोनों टीमें 14 दिसंबर से फिर आमने-सामने आने वाली हैं। यह पांच मैचों की सीरीज का तीसरा टेस्ट है। दोनों टीमें अभी 1-1 मैच जीत कर बराबर हैं। ऐसे में तीसरा टेस्ट बहुत अहम माना जा रहा है। मिचेल मार्श ने तीसरे टेस्ट मैच से पहले प्रैक्टिस सेशन में कहा कि पहले क्या हुआ अभी हमारे पास उसके बारे में सोचने का समय नहीं है। अभी हम केवल उन चीजों पर ध्यान

केंद्रित कर रहे हैं जो वर्तमान में अहम हैं।

पर्थ में पहले टेस्ट मैच में हार के बाद हमने जिस तरह से वापसी की यह उसका एक उदाहरण है। इसलिए हम अपनी शैली की क्रिकेट खेलने पर ध्यान दे रहे हैं। मार्श ने अपनी फिटनेस के बारे में कहा कि मेरी पीठ में दर्द था लेकिन अब मैं अच्छा महसूस कर रहा हूं। मार्श ने पहले दो टेस्ट मैच में बहुत अधिक गेंदबाजी नहीं की लेकिन उन्होंने कहा कि यह टीम की रणनीति का हिस्सा है।

मिचेल मार्श ने तेज गेंदबाज जोस हेजलवुड की फिटनेस की स्थिति का स्पष्ट ब्यौरा नहीं दिया जो मांसपेशियों में खिंचाव के कारण दूसरे टेस्ट मैच में नहीं खेले थे। उन्होंने गुरुवार को अभ्यास सत्र में गेंदबाजी भी नहीं की। उन्होंने कहा कि अब तक जोस का सवाल है तो वह ऐसा खिलाड़ी है जो परेशान नहीं होता और मैच में खेलने के लिए जो कुछ संभव है वह करेगा।

टीमें इस प्रकार हैं -

ब्रिस्बेन टेस्ट में भारत की संभावित प्लेइंग-11ः यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), रोहित शर्मा (कप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, रवींद्र जडेजा/रवचिंद्रन अश्वि न/वॉशि ंगटन सुंदर , आकाश दीप, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज.

ब्रिस्बेन के गाबा टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग कः उस्मान ख्वाजा, नाथन मैकस्वीनी, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श, एलेक्स कैरी (विकेट कीपर) पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, नाथन लायन, जोश हेजलवुड

पूर्व दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर ने रोहित की फिटनेस पर सवाल उठाये

जोहांसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर डेरिल कलिनन ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा की फिटनेस पर सवाल उठाये हैं। कलिनन ने कहा है कि रोहत का वजन जरुरत से कहीं ज्यादा है जो उन्हें कम करना होगा। रोहित हाल में धरेलू धरती पर न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली करारी हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ

एडिलेड टेस्ट में मिली हार के बाद से ही उनपर दबावा भी बढ़ गया है। रोहित पिछले काफी समय से रन भी नहीं बना पा रहे। वह एडिलेड की दोनों पारियों में असफल रे। रोहित इस मैच में छठे नंबर पर उतरे लेकिन फिर भी रन नहीं बना पाये।

कलिनन ने रोहित फिटनेस स्तर की आलोचना की और उन्हें बड़ी टेस्ट सीरीज के लिए अयोग्य बताया है। कलिन ने कहा कि, रोहित को देखिए, फिर विराट को। दोनो में ही साफ अंतर दिखेगा। रोहित का वजन ज्यादा है और वह लंबे समय तक नहीं खेल पायेंगे। रोहित चार या पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने के लिए अच्छी शारीरिक स्थिति में नहीं हैं। रोहित ने साल 2024 की शुरूआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद से केवल एक टेस्ट में अर्धशतक लगाया है। वह पिछली 12 पारियों में से 8 में दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये हैं।

बेटों के फैसले पर कोई शिकायत नहीं करेंगेः शत्रुघ्न सिन्हा

मुंबई

बालीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की शादी के दौरान कई अटकलें और खबरें सामने आईं, जिसमें यह कहा गया था कि सिन्हा परिवार इस शादी के खिलाफ है। यह बाद में पता चला कि सोनाक्षी के भाई लव और कुश इस शादी के खिलाफ थे और वे शादी के जश्न में शामिल नहीं हुए।

अब सोनाक्षी के पिता और मशहूर अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वह अपने बेटों के फैसले पर कोई शिकायत नहीं करेंगे और उनके दर्द और उलझन को समझते हैं। शत्रुघ्न ने कहा, वो केवल इंसान हैं। हो सकता है कि वे अभी इतने मैच्योर न हों। मैं उनके दर्द और उलझन को समझता हूं। अगर मैं उनकी उम्र का होता, तो शायद मेरी भी ऐसी ही प्रतिक्रिया होती। उन्होंने आगे कहा, यहां आपकी मैच्योरिटी, बड़प्पन और अनुभव की भूमिका होती है। इसलिए मेरा रिएक्शन उतना ज्यादा नहीं निकला। जब शत्रुघ्न सिन्हा से यह पूछा गया कि क्या वह अपनी बेटी के दूसरे धर्म में शादी करने के फैसले को समर्थन करते हैं, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, बेशक, मैं अपनी बेटी का सपोर्ट करूंगा। मेरे पास ऐसा न करने का कोई कारण नहीं है। यह उसकी लाइफ और उस-ाकी शादी है। अगर वे एक-दूसरे के बारे में श्योर हैं, तो हम कौन होते हैं इसके खिलाफ होने वाले? मैं हमेशा उसके साथ रहा हूं और आगे भी रहूंगा।

सोनाक्षी की शादी पर खुशी जाहिर करते हुए शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, मैं उसकी शादी की पार्टियों का लुफ्त उठा रहा था। लोगों से मिलकर और उनका सतकार करके मुझे बहुत खुशी हुई। सोनाक्षी और जहीर साथ में बहुत खूबसूरत लग रहे थे। वहां बहुत बढ़िया माहौल था। बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने इस साल 2024 में जहीर इकबाल से शादी की। दोनों ने सात साल तक एक-दूसरे को डेट किया और अंत में परिवार और दोस्तों के बीच घर पर ही रजिस्टर्ड मैरिज की।

मुझे कई तरह के डांस सीखना पसंदः मौनी रॉय

मुंबई

अभिनेत्री मौनी रॉय का ऑन-स्क्रीन उपस्थिति से सुर्खियां बटोरना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में एक बातचीत में, उन्होंने विभिन्न डांस कला को सीखने के अपने जुनून का खुलासा किया और एक डांस-आधारित फिल्म करने में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने साझा किया, मुझे विभिन्न प्रकार के डांस सीखना पसंद है, और कहा, मैं एक दिन ऐसी फिल्म पर काम करने के अवसर की प्रतीक्षा कर रही हूं! पर्दे पर अपनी खूबसूरती के लिए मशहूर अभिनेत्री ने खुलासा किया कि डांस उनकी लव लैंग्वेज है और यह उनके दिल में एक विशेष स्थान रखती है। वर्तमान में, मौनी कई रोमांचक परियोजनाओं पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जिससे प्रशंसकों में उत्सुकता बनी हुई है कि आगे क्या होगा। वह सक्रिय रूप से कई दिलचस्प स्क्रिप्ट पढ़ रही हैं। डांस के प्रति अपने बढ़ते उत्साह और आशाजनक परियोजनाओं के साथ, मौनी रॉय अपने ऑन-स्क्रीन करिश्मा से अपने प्रशंसकों को प्रभावित करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। बता दें कि मौनी अक्सर अपने सोशल मीडिया के जरिए डांस के प्रति अपना दीवानगी जाहिर करती रहती हैं। वह अक्सर विभिन्न डांस शैलियों में अपने प्रदर्शन के वीडियो और इम्प्रोम्टू डांस सेशन साझा करती हैं।

ऑल वी इमेजिन ऐज लाइट ने बढाया सिनेमा का मान

मुंबई

भारतीय सिनेमा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिल्म ह्यऑल वी इमेजिन ऐज लाइट के जरिए गर्व करने का मौका मौका मिला है। यह फिल्म भारतीय फिल्ममेकर पायल कपाड़िया ने बनाई है। उनकी इस फिल्म को गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स 2024 में दो प्रमुख श्रेणियों में नॉमिनेशन मिला है। पायल को बेस्ट डायरेक्टर और नॉन-इंग्लिश फिल्म श्रेणी में बेस्ट मोशन पिक्चर के लिए नामांकित किया गया है। गोल्डन ग्लोब नॉमिनेशन पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पायल कपाड़िया ने कहा, मैं इस नामांकन से बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह न केवल मेरी टीम की कड़ी मेहनत का जश्न है, बल्कि भारतीय सिनेमा के लिए भी गर्व का क्षण है। उन्होंने भारतीय दर्शकों से फिल्म को सिनेमाघरों में देखने और समर्थन करने की अपील की। फिल्म में अभिनय कर चुकी छाया कदम ने भी इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, पायल कपाड़िया का नामांकन भारतीय सिनेमा के लिए मील का पत्थर है।

अनुपमा में बाल श्रम की समस्या को दर्शकों तक पहुँचाया

मुंबई

धारावाहिक अनुपमा के हाल ही के एपिसोड में, निमार्ता दीपा शाही और राजन शाही ने बाल श्रम जैसे संवेदनशील और ज्वलंत मुद्दे को प्रभावी रूप से उजागर किया। धारावाहिक की कहानी ने समाजिक जिम्मेदारी और नैतिकता पर सवाल उठाने की प्रेरणा भी दी।

इस एपिसोड ने यह दिखाने का प्रयास किया कि कैसे बाल श्रम बच्चों की मासूमियत, शिक्षा और उनके बेफिक्र बचपन का अधिकार छीन लेता है। भावनात्मक दृश्यों के माध्यम से उन बच्चों की स्थिति को दशार्या गया, जिन्हें गरीबी और सामाजिक अन्याय के कारण अपने अधिकारों से वंचित रहना पड़ता है। अनुपमा के एक प्रभावशाली संवाद में, उन्होंने उन सामाजिक पाखंडों पर प्रकाश डाला जो विदेशों में कड़े नियमों का पालन करते हैं, लेकिन अपने देश में इन्हें नजरअंदाज करते हैं। यह संवाद दर्शकों को

सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हम अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं या सिर्फ शब्दों में सामाजिक चेतना का प्रदर्शन कर रहे हैं।

कहानी ने यह भी गहराई से दिखाया कि कैसे अमीर और प्रभावशाली लोग अपनी सत्ता का उपयोग केवल अपने फायदे के लिए करते हैं, जबकि बाल श्रम जैसे मुद्दे पर उनकी नैतिक जिम्मेदारी और समाज के प्रति जवाबदेही को नजरअंदाज किया जाता है। यह एपिसोड एक आईना था, जो हर दर्शक से आत्मनिरीक्षण करने की उम्मीद करता है। इस एपिसोड को खास बनाने वाला इसका दमदार लेखन और उत्कृष्ट अभिनय है। रूपाली गांगुली ने अनुपमा के रूप में अपनी भूमिका को गहराई और ईमानदारी के साथ निभाया, जिससे हर संवाद और हर भाव चेहरे पर जिया हुआ महसूस होता है। संवाद सरल और प्रभावशाली थे, जिनमें उपदेशात्मकता का कोई स्थान नहीं था।

दीपा शाही और राजन शाही ने इस मुद्दे को कहानी में इतनी सहजता से बुना कि यह दर्शकों के दिल और दिमाग में गहरे उतर गया। अनुपमा ने साबित कर दिया कि मनोरंजन के माध्यम से भी बड़े पैमाने पर जागरूकता और सामाजिक बदलाव की शुरूआत की जा सकती है। बता दें कि यह धारावाहिक एक बार फिर अपने गहरे और सामाजिक मुद्दों पर आधारित दृष्टिकोण के कारण चर्चा में है।

फिल्म पुष्पा 2ः द रूल कर रही शानदार प्रदर्शन

मुंबई

देश भर में फिल्म ह्यपुष्पा 2ः द रूलह्न सिनेमाघरों में शानदार प्रदर्शन कर रही है। सुपर स्टार अल्लू अर्जुन के फैंस का उत्साह चरम पर है, और अब हर किसी को फिल्म के ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। हाल ही में फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पहले फिल्म के ओट-ीटी रिलीज को लेकर कयास लगाए जा रहे थे कि इसे नेटफ्लिक्स या हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाएगा। चूंकि पहले भाग, ह्यपुष्पाः द राइजह्न, ने अमेजन प्राइम वीडियो पर धमाकेदार सफलता हासिल की थी, इसलिए फैंस को उम्मीद थी कि इसका दूसरा पार्ट भी वहीं स्ट्रीम होगा। लेकिन मेकर्स ने इस बार इसे नेटफ्लिक्स पर रिलीज करने का निर्णय लिया है। नेटफ्लिक्स ने हाल ही में एक पोस्टर जारी कर यह पुष्टि की कि फिल्म जल्द ही तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और हिंदी भाषाओं में उपलब्ध होगी। फिल्म के ओट-ीटी प्रीमियर की तारीख अभी तक घोषित नहीं की गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के अनुसार, सिनेमाघरों में रिलीज के छह से आठ हफ्ते बाद

इसे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा। ओटीटी राइट्स को लेकर भी फिल्म चर्चा में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुष्पा 2 के ओटीटी राइट्स 275 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं, जो अब तक का एक बड़ा रिकॉर्ड है

।फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार श-ुरूआत की है। ओपनिंग डे पर 164.25 करोड़ रुपये की शानदार कमाई के बाद, दूसरे दिन भी फिल्म ने 141.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। महज चार दिनों में फिल्म ने 529 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जो इसकी अपार लोकप्रियता को दशार्ता है। अल्लू अर्जुन की दमदार परफॉर्मेंस और सुकुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने न केवल तेलुगु सिनेमा, बल्कि पूरे भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दर्शकों को प्रभावित किया है।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दर्शाये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतु कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो. 9219141431
किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार